हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 17 अगस्त 2026

तीसरे सावन सोमवार पर नागपंचमी का संयोग

रविवार दोपहर 4.52 मिनट पर प्रारंभ हुई पंचमी तिथि, उदया तिथि के आधार पर पूजन आज

आज नागपंचमी, 23 वर्ष पश्चात बना ऐसा दुर्लभ संयोग, अब करना होगा 14 वर्ष का लंबा इंतजार

23 वर्ष पश्चात इस वर्ष नाग पंचमी सोमवार को मनाई जाएगी। सोमवार का दिन होने के कारण इसे सोमवती नागपंचमी कहा जाएगा। इस अद्भुत संयोग के लिए अब 14 वर्षों का इंतजार करना होगा। सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। नाग पंचमी के दिन सावन के तीसरे सोमवार का व्रत भी किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऐसा संयोग इससे पहले साल 2003 में बना था। भगवान शिव की आराधना के लिए सावन का प्रत्येक सोमवार विशेष माना जाता है, वहीं नाग पंचमी का पर्व नाग देवता की पूजा और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। एक ही दिन इन दोनों शुभ अवसरों का संयोग बनने से यह विशेष फलदायी होगा। पंचमी तिथि की शुरुआत 16 अगस्त को दोपहर 4 बजकर 52 मिनट से हो चुकी है। पंचमी तिथि का समापन सोमवार शाम 5 बजे होगा। उदया तिथि के आधार पर नाग पंचमी आज मनाई जाएगी। इस दिन शुभ योग, शुक्ल योग, रवि नामक योग भी बन रहा है। इन शुभ योग में भगवान शिव और नाग देवता की पूजा अर्चना करने से कालसर्प दोष, पितृ समेत कई दोषों से मुक्ति मिलती है और जीवन ▶▶|शेष पेज 8 पर

... इसलिए पंचमी तिथि पर पूजन

ज्योतिष शास्त्र में हर तिथि की अधिष्ठात्री शक्ति और देवता होते हैं, इसी क्रम में पंचमी तिथि का संबंध नाग देवता से माना गया है। इसलिए सावन मास की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। सावन भगवान शिव का प्रिय मास है और शिवजी का नागों से संबंध भी है। महादेव ने अपने गले में नागराज वासुकी को धारण किया है, वहीं भगवान विष्णु के पास शेषनाग है। पंचमी तिथि नाग देवता को समर्पित है, इसलिए सालभर की सभी पंचमी तिथि में सावन मास की पंचमी तिथि नाग पूजन के लिए सबसे उपयुक्त मानी गई है।

2 घंटे 37 मिनट का समय सर्वोत्तम

नाग पंचमी पर पूजन के लिए सबसे उत्तम मुहूर्त सुबह 5 बजकर 50 मिनट से 8 बजकर 28 मिनट तक है। नाग देवता की पूजा के लिए 2 घंटे 37 मिनट का समय मिलेगा। इस अवधि में भक्त विधि विधान के साथ नाग देवता के साथ महादेव की आराधना भी कर सकते हैं और कालसर्प दोष, पितृ दोष समेत नाग संबंधी सभी दोषों के लिए पूजा व उपाय कर सकते हैं। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त में भी पूजा करना शुभ रहेगा।

ब्रह्म मुहूर्तः तड़के 4:25 बजे से 5:09 बजे तक

- *अभिजित मुहूर्तः दोपहर 12 बजे से 12:52 बजे तक*
- *विजय मुहूर्तः दोपहर 2:37 बजे से 3:29 बजे तक*
- *गोधूलि मुहूर्तः संध्या 6:59 बजे से 7:21 बजे*

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹115366/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹140900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹153806/-

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
*Conditions apply
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

दंपति के पास से 32 लाख के आभूषण जब्त

अहमदाबाद। शारजाह से अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचे केरल के एक दंपति से लगभग 32,37,000 रुपए मूल्य के सोने के गहने और अन्य अघोषित सामान जब्त किया गया। अहमदाबाद में सीमा शुल्क विभाग की 'एयर इंटेलिजेंस यूनिट' (एआईयू) के अधिकारियों ने 'एयर अरेबिया' की उड़ान से शारजाह से आए इस जोड़े को रोका।

नौसेना के कर्मी परिवार सहित मृत मिले

मुंबई। भारतीय नौसेना का एक नाविक, उसकी पत्नी और उसके दो बच्चे दक्षिण मुंबई के नेवी नगर इलाके में स्थित अपने आवास पर मृत मिले। नाविक का शव शनिवार रात उसके घर में फंदे से लटका मिला तथा परिसर में उसकी पत्नी और दो महीने एवं तीन वर्ष की उम्र के उसके बच्चों के शव भी मिले। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि व्यक्ति ने आत्महत्या की, जबकि उसकी पत्नी और बच्चों को जहर दिया गया।

श्वान 'टायसन' को 'मेंशन इन डिस्पैचेस' सम्मान

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में एक सैन्य अभियान के दौरान असाधारण साहस दिखाने वाले सेना के हमलावर श्वान 'टायसन' को इस साल 'मेंशन-इन-डिस्पैचेस' सम्मान के लिए चुना गया है। दो पैरा के श्वान 'टायसन' का नाम उन 75 'मेंशन-इन-डिस्पैचेस' की सूची में शामिल है, जिन्हें उन सैन्यकर्मियों के लिए मंजूरी दी गई है, जिन्होंने ऑपरेशन स्नो लेपर्ड, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन हिफाजत जैसे कई सैन्य अभियान में हिस्सा लिया था।

भाजपा का आरोप- सोनिया ने रोकने की कोशिश की, कांग्रेस बोली- खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं

'वंदे मातरम्' पर सियासी संग्राम, शाह ने कहा- देश से माफी मांगें सोनिया

देशभर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। दिल्ली के लाल किले से लेकर हर गांव, हर शहर में तिरंगा लहराया। इस बीच, नई दिल्ली के इंदिरा भवन से भी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तस्वीरें सामने आईं, लेकिन इसे लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर पार्टी के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' का पूरा वर्जन गाए जाने पर आपत्ति जताने का आरोप लगाया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, सोनिया गांधी देश से माफी मांगें। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि वे खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस के कार्यक्रम का वीडियो फुटेज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी एल संतोष ने कहा, मां, बेटा और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष 'वंदे मातरम' का पूरा वर्जन गाए जाने से परेशान दिख रहे हैं। कुछ लोगों की सोच 1947 से पहले और उसके बाद भी कभी नहीं बदलती। भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा, 'स्वतंत्रता दिवस पर आज जो दृश्य सामने आया है, वह बेहद शर्मनाक है। भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन ▶▶|शेष पेज 8 पर

शाह ने साधा निशाना

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस मामले को लेकर रविवार को कांग्रेस और सोनिया गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए वंदे मातरम को भुला दिया था। शाह ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में कहा, 'कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय पर वंदे मातरम ▶▶|शेष पेज 8 पर

बंकिम चंद्र का अपमानः शुभेंदु

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोनिया गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम' को पूरा न गाना राष्ट्रवाद और इस गीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का अपमान है।

कांग्रेस ने आरोपों को किया खारिज

कांग्रेस ने 'वंदे मातरम' के पूरे वर्जन को गाए जाने से रोकने की किसी भी कोशिश से इंकार किया और कहा कि सोनिया गांधी केवल मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी मांग रही थीं। इस विवाद के बढ़ने पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 28 अक्टूबर 1937 को कलकत्ता में महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद ▶▶|शेष पेज 8 पर

मौत को लेकर आरोप-प्रत्यारोप

बंगाल विस के पूर्व उपाध्यक्ष आशीष फंदे से लटके मिले

एजेंसी ▶▶| कोलकाता/रामपुरहाट

पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष आशीष बनर्जी का शव बीरभूम जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यालय में रविवार सुबह फंदे से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। बनर्जी की मौत को लेकर राज्य में तृणमूल कांग्रेस के खेमों और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। घटना के कुछ घंटे बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आशंका जताई कि विपक्षी दल के भीतर के भ्रष्ट तत्वों ने शायद आशीष बनर्जी को धमकी दी होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय से ▶▶|शेष पेज 8 पर

सुसाइड नोट में यह लिखा

आशीष बनर्जी ने एक पृष्ठ के कथित 'सुसाइड नोट' में कहा कि वह कभी भ्रष्टाचार में शामिल नहीं रहे और उन्होंने किसी काम के बदले कभी पैसे नहीं लिए। उन्होंने इसमें यह भी लिखा कि वह पार्टी के भीतर होने वाले 'गलत कार्यों' को हमेशा स्वीकार नहीं कर पाते थे, लेकिन उनका विरोध भी नहीं कर सके। कथित 'सुसाइड नोट' में तारापीठ-रामपुरहाट विकास प्राधिकरण (टीआरडीए) का भी उल्लेख किया गया है।

बांगो बांध के 9 गेट खुले ...

कोरबा। उत्तर छत्तीसगढ़ और हसदेव कैचमेंट क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश का असर मिनीमाता बांगो जलाशय पर भी दिखा। बांध का जलस्तर 94.42 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जल संसाधन विभाग ने बांध के 9 गेट खोल दिए हैं।

तालाब में डूब गए पति-पत्नी, डबरी में भाई-बहन की मौत

अंबिकापुर/मोहला मानपुर। छत्तीसगढ़ में डूबने से चार लोगों की मौत हो गई। बलरामपुर जिले के कुसमी थाना क्षेत्र में तालाब में डूबने से दंपति की मौत हुई है। वहीं मोहला मानपुर में डबरी में डूबने से भाई-बहन की मौत हो गई।

- दो हादसों में चार की गई जान

बताया जा रहा है कि कुसमी के आमादारा निवासी 50 वर्षीय मुनेश्वर नाग 14 अगस्त को घर से बिना बताए अपने भांचा भरत नाग के घर अमरढाह पारा चला गया था। इस बात की जानकारी मिलने के बाद उसकी पत्नी 45 वर्षीया घुघरी नाग भी अपनी दीदी जसमती के साथ अमरढाह पारा पहुंच गई थी। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमरढाह स्थित प्राथमिक शाला में आयोजित ध्वजारोहण ▶▶|शेष पेज 8 पर

नहीं मिला शव वाहन नहीं हो पाया पीएम

घटना के बाद अर्जुन नगेसिया ने पूरे मामले की जानकारी गांव के चौकीदार को दी। चौकीदार ने इसकी सूचना कुसमी पुलिस को दी। देर रात सूचना मिलने के कारण पुलिस 16 अगस्त को घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने ग्राम पंचायत के सरपंच महेंद्र पैकरा सहित ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई की। पुलिस ने ▶▶|शेष पेज 8 पर

रायपुर में भी लांच हुआ 10 किलो का एलपीजी सिलेंडर

अब रसोई में दिखेगी गैस की मात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मिडिल ईस्ट में तनाव और युद्ध के कारण एलपीजी सप्लाई पर असर पड़ा है। ऐसे में राहत भरी खबर आई है। विभिन्न राज्यों के साथ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 10 किलोग्राम का नया कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर लॉन्च किया गया है। यह सिलेंडर पारंपरिक लोहे के सिलेंडर के मुकाबले काफी हल्का है, क्योंकि इसे फाइबर कंपोजिट सामग्री से बनाया गया है। इस सिलेंडर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पारदर्शी है, जिससे उपभोक्ता बाहर से ही देख सकेंगे कि सिलेंडर में कितनी गैस बची है। रायपुर में 10 किलो वाला कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर (फाइबर बॉडी) लेने के लिए नए सिक्योरिटी डिपॉजिट लगभग 3,000 रुपए है। इसके रिफिल (गैस) की कीमत 715 से 730 के बीच है। पेट्रोलियम ▶▶|शेष पेज 8 पर

सरकार ने 21 कंपनियों के लिए तय किए टारगेट

इधर, केंद्र सरकार ने पहली बार देश की सरकारी और प्राइवेट रिफाइनरीज व अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन के अधिकतम टारगेट तय कर दिए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी आदेश में 21 कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन की क्षमता और टारगेट निर्धारित किया है। यह लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश में हुए कुल घरेलू एलपीजी उत्पादन से दोगुने से भी अधिक है और यह देश की कुल रोजाना खपत का लगभग 70% कवर करता है।

कैसे ले सकते हैं सिलेंडर?

- आपको कनेक्शन लेना होगा, जिसे कंपनी की तरफ से फ्री-ट्रेड एलपीजी कैटेगरी में पेश किया गया है
- इसे सरल ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया के तहत तुरंत गैस कनेक्शन ले सकते हैं
- दावा ये भी है कि बुक करने के लगभग 4 घंटे के भीतर सिलिंडर की डिलीवरी हो जाएगी

क्या है खासियत

- इस सिलेंडर में 10 किलो गैस होगी और इसमें जंग लगने की दिक्कत नहीं होगी
- ये 10 किलो वाला गैस सिलेंडर फाइबर कंपोजिट तकनीक से बना है और ये हल्का एलपीजी सिलेंडर है
- सिलेंडर पारदर्शी है यानी बाहर से अंदर दिखता है जिससे आप बची हुई गैस देख पाएंगे।

ISBM UNIVERSITY
KNOWLEDGE ❤ WISDOM ❤ HUMANITY
BCI Bar Council of India | Association of Indian Universities | Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission | UGC University Grant Commission | All India Council for Technical Education | PCI Pharmacy Council of India

LAUNCH YOUR FUTURE WITH
ISBM UNIVERSITY
New Campus in Heart of Raipur - Near Nalanda Parisar - 1 Km approx.
•Ultra Modern Campus •A.I. + M.L. Classes for All Student
•Free Career Guidance with Prior Appointment
CHOOSE A UNIVERSITY THAT PUTS YOU FIRST!
NAAC ACCREDITED | INTERNATIONAL ASSOCIATION OF UNIVERSITIES | AACSB Business Education Alliance Member
ADMISSION OPEN 2026-27
Hostel Facility Available Boys/Girls
10,000+ Students & Alumni
25+ Awards & Recognitions
150+ Recruiters Network
200+ National & International Conferences
50+ MoUs & Tie-Ups
750+ Research Publications
20+ Patents
₹2.5cr+ Research Fellowship
OUR PROGRAMS
PHARMACY
LAW
INFORMATION & TECHNOLOGY
LIBRARY & INFORMATION SCIENCE
COMMERCE & MANAGEMENT
JOURNALISM & MASS COMM.
HOTEL MANAGEMENT
INNOVATION & COMPUTING
DESIGN
ENGINEERING & TECHNOLOGY
SCIENCE
ARTS & HUMANITIES
YOGA & NATUROPATHY
PhD
Shreeram Addiction
+91 9109333333, +91 7880170727
Raipur Campus - ISBM University, Ring Road No. 1, Near Sarona Bridge, Tatibandh, Raipur, Chhattisgarh- 492099
Main Campus - ISBM University, Nawapara (Kosmi), Block & Tehsil- Chhura, Gariyaband, Chhattisgarh - 493996
www.isbmuniversity.edu.in
(SCAN QR TO VISIT WEBSITE)

तरकश

संजय के दीक्षित

विभाग का ग्रह-नक्षत्र खराब?

विभागीय अफसर अपाइंट करने के चक्कर में दुर्ग नगर निगम में कमिश्नर की पोस्टिंग लटक गई है। दरअसल, नगरीय प्रशासन मंत्री के यहां से आईएएस या राप्रसे अधिकारी की बजाए नगरीय प्रशासन के विभागीय अधिकारी को आयुक्त के लिए प्रस्तावित किया गया था। बताते हैं, मिनिस्टर ने पोस्टिंग के लिए प्रशासकीय अनुमोदन भी दे दिया था। मगर उन्हीं के विभाग के अधिकारियों ने नोटशीट को समन्वय में भेज दिया। इससे पहले दुर्ग में आईएएस सुमित अग्रवाल कमिश्नर थे। 11 जुलाई को सुमित को सूडा का सीईओ बनाया गया। उसके बाद महीने भर से दुर्ग नगर निगम कमिश्नर का पद खाली है। नगरीय प्रशासन सिकेट्री आर शंगीता ने फाइल समन्वय को भेजी थीं, वे अब छह महीने की छुट्टी पर हैं। सिस्टम इसलिए असमंजस में है कि आईएएस के बाद राज्य प्रशासनिक अधिकारी तक चल जाता, एकदम नीचे उतरकर विभागीय अधिकारी को दुर्ग जैसे संभागीय मुख्यालय वाले निगम की कमान कैसे सौंप दी जाए। वैसे भी नगरीय प्रशाासन विभाग का ग्रह-नक्षत्र अभी ठीक नहीं चल रहा। बसव राजू को हटाकर आर शंगीता को सिकेट्री बनाया गया था, वे तीन महीने में ही लंबे अवकाश पर चली गईं। बसव राजू नगरीय प्रशासन के लिंक अफसर हैं...चूकि उन्हें हटाकर शंगीता को लाया गया था, ऐसे में समझा जा सकता है कि वे इस विभाग के कार्यों में दिलचस्पी क्यों रखेंगे। उधर, सूडा के सीईओ भी नए हैं। अब कोई तेज-तर्रार सिकेट्री आएगा, तभी यह विभाग पटरी पर आएगा। हालांकि, पिछले हफ्ते एक नाम चर्चा में था, मगर पता नहीं यह अंजाम तक क्यों नहीं पहुंच सका।

जेबकटी का तरीका

छत्तीसगढ़ में करीब दर्जन भर से अधिक प्रायवेट यूनिवर्सिटीज हो गई हैं। लगभग सभी में प्रोफेशनल कोर्सेज भी चल रहे हैं। प्रोफेशनल कोर्सेज इसलिए क्योंकि मुद्रा इसी के जरिये एकाउंट में आता है। अब बात पत्ते की...पिछले कई सालों से इन प्रोफेशनल कोर्सेज की फीस निर्धारित नहीं हुई है। प्रायवेट यूनिवर्सिटीज नहीं चाहती कि शुल्क निर्धारण किया जाए। इससे उनके हाथ बंध जाएंगे। सो, खेला ऐसा हुआ कि निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग और एडमिशन कमेटी दोनों हाथ खड़े कर दे रहे कि मुझे सरकार से कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। यानी सरकार की आड़ में निजी विश्वविद्यालयों को फायदा पहुंचाने की कोशिश। जेन जी के दौर में जेबकटी का यह भी एक तरीका है।

गरिमामय कार्यक्रम से 'गरिमा' गायब

राजधानी रायपुर में अगस्त की शाम एक गरिमामय आयोजन हुआ. मगर वहां आलम यह था कि कैबिनेट मंत्री का दर्ज़ा प्राप्त नेता और बड़े-बड़े नौकरशाह कुर्सी के लिए संघर्ष करते दिखे. पहली बार 'खास' और 'आम' का भेद ऐसा खत्म हुआ कि बड़े-बड़े लोग पसीना पोंछते नजर आये.

प्रमोटी अफसरों का दबदबा

आईएफएस के ट्रांसफर में प्रमोटी अधिकारियों ने जबर्दस्त बाजी मारी। खासकर, इस बार का ट्रांसफर आईएफएस के 2015 बैच के नामे रहा। 2005 बैच के इन एसीएफ को दस साल में आईएफएस एलॉट हो गया। बैच भी मिल गया 2015। और इस बार मैदान भी मार लिया। कटघोरा, मनेंद्रगढ, सरगुजा, खैरागढ़, महासमुंद, गरियाबंद, धरमजयगढ़...छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े ये सात डिविजन हैं। इन सभी डिविजनों से प्रमोटियों ने डायरेक्ट आईएफएस अधिकारियों को खो कर दिया। ऐसा एक बार पिछले कांग्रेस शासन काल में हुआ था, जब 33 डिविजनों में से 20 से अधिक में प्रमोटी आईएफएस अधिकारियों का कब्जा हो गया था। बहरहाल, प्रमोटी अफसरों के कैंप में खुशी की लहर है...पुरानी बादशाहत फिर जो कायम हो गई है।

आईपीएस की बढ़ी मुसीबतें

अंबिकापुर के प्रोबेशनर आईएएस राहुल बंसल एक करोड़ रिश्वत लेने के आरोपों का सामना कर रहे थे, अब उनके खिलाफ ईडब्लूएस कोटे में आईपीएस बनने के खिलाफ डीओपीटी में शिकायत हो गई है। कंप्लेन में उनके परिवार की संपत्ति की जांच की मांग की गई है। मालूम हो, प्रोबेशनर आईपीएस का मसला छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए सिरदर्द बन गया है। भले ही दिल्ली की एसीबी कोर्ट का छत्तीसगढ़ क्षेत्राधिकार न हो, मगर डीजीपी को एक्शन और टेकन रिपोर्ट मांगने की खबर सोशल मीडिया में ट्रेंड कर रही है। अब बात, राहुल बंसल पर रिश्वत के आरोप की। पुलिस अधिकारियों का कहना है, अभी तक राहुल के खिलाफ कोई एविडेंस सामने नहीं आया है। आईपीएस की एएसआई और कांस्टेबल के साथ लेन-देन का कोई ऑडियों भी नहीं है। पुलिस की पूरी जांच अब उस बिचौलियों पर टिक गई है, जिसके खिलाफ 50 लाख कैश लेने का आरोप है। इस घटना के सामने आने के बाद वह फरार हो गया है। उसी से पूछताछ के बाद मामले पर से पर्दा उठ पाएगा। अलबत्ता, सरगुजा पुलिस की एक दलील ये भी है कि करोड़ों के साइबर फ्रॉड की पुलिस जांच कर रही है। इस मामले में 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हो सकता है, जांच को प्रभावित करने के लिए पुलिस पर रिश्वत का आरोप लगाया गया हो। चलिये, 17 अगस्त को सीबीआई कोर्ट की अगली पेशी में इस मामले में काफी कुछ क्लियर हो जाएगा। क्योंकि, शिकायत करने वालों ने कोर्ट से कुछ आवश्यक दस्तावेज पेश करने के लिए टाईम मांगा है।

पोस्टिंग में नवाचार

कलेक्टर, एसपी की पोस्टिंग में पहले छोटे जिलों से होते हुए फिर बड़े जिलों में पोस्टिंग होती थी। एमपी के समय भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर की पोस्टिंग सबसे टॉप की समझी जाती थी। कई जिले घूमने के बाद तब कलेक्टर, एसपी उन जिलों में पहुंचते थे। छत्तीसगढ़ में भी अगस्त 2018 तक ये मेंटेन हुआ। उसके बाद फिर बड़े से छोटे जिले का एक अलग कंसेप्ट शुरू हो गया। जाहिर है, अगस्त 2018 में किरण कौशल को अंबिकापुर से बालोद का कलेक्टर बनाया गया था। अंबिकापुर के सामने बालोद काफी छोटा है। इसके बाद कांग्रेस शासन काल में कई आईपीएस अफसरों के साथ ऐसा हुआ। दीपक झा को बिलासपुर से हटाकर बलौदा बाजार का एसपी बनाया गया। जबकि, उससे पहले वे रायगढ़ जैसे बड़े जिले की कप्तानी कर चुके थे। इसी तरह संतोष सिंह को रायगढ़ से बुलाकर कोरिया का एसपी बनाया गया। पिछली सरकार में रजत बंसल को जगदलपुर से हटाकर बलौदा बाजार का डीएम बनाया गया था। जगदलपुर से पहले वे धमतरी के कलेक्टर रह चुके थे। इसके बाद बलरामपुर और अंबिकापुर जिले का कलेक्टर रह चुके कुंदन कुमार को मुंगेली का कलेक्टर बनाया गया तो जगदलपुर जैसे बड़े जिले में रह चुके विजय दयाराम को हाल ही में जीपीएम का कलेक्टर पोस्ट किया गया है। आईपीएस भोजराम पटेल कोरबा जैसे जिले के एसपी रहने के बाद अब मुंगेली जिला संभाल रहे हैं। आमतौर पर मुंगेली आईएएस, आईपीएस के लिए पहला जिला होता था। मगर अब पोस्टिंग में नवाचार शुरू हो गया है।

हफ्ते का कोट

महत्वपूर्ण व्यक्ति बनने की अपेक्षा उपयोगी बनो, क्योंकि जो उपयोगी होता है, वह जीवनपर्यंत महत्वपूर्ण बना रहता है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या स्वतंत्रता दिवस के बाद आईएएस और राप्रसे की एक ट्रांसफर लिस्ट निकलेगी?

2. जेन जी के मूव्हमेंट के बाद छत्तीसगढ़ के छंटनी होने वाले मंत्रियों को क्या कुछ समय के लिए मोहलत मिल गई है?

बिलासपुर
सोमवार 17 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी
वर्ष : 26, अंक : 146
पृष्ठ : 12+12 = 24 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 26.9
न्यून. 24.4

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

9 सिनसिनाटी ओपन : पहले ही दौर में बाहर...
विचार पेज
2 विकराल हो रहा जलवायु...

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

खाने के बाद छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, होगी जांच

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एक आवासीय बालिका विद्यालय में शनिवार रात खाना खाने के बाद सात छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं। दातागंज तहसील के समरेर ब्लॉक स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय बालिका विद्यालय का मामला है। बीमार छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

सुपारी के आयात में 2,500 करोड़ की धोखाधड़ी

नई दिल्ली। राजस्व आसूचना निदेशालय के अधिकारियों ने एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। जांच में अब तक अवैध रूप से सुपारी आयात किए जाने से सरकारी राजस्व को 2,500 करोड़ रुपए से अधिक के संभावित नुकसान का पता चला है। इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। भारत में सुपारी के आयात पर 100 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क लगता है।

बांग्ला फिल्मकार राजा सेन का निधन

कोलकाता। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित एवं फिल्म 'दामू' के लिए मशहूर रहे दिग्गज बांग्ला फिल्मकार राजा सेन का लंबी बीमारी के बाद रविवार को यहां एक राजकीय अस्पताल में निधन हो गया। सेन कई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण एसएसकेएम अस्पताल में उपचाराधीन थे और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था।

ऑटो और कार की टक्कर में छात्र की मौत

दीफू। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में रविवार को एक ऑटो की कार से टक्कर की घटना में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दो अन्य छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा शनिवार को धनसिरी-दीफू मार्ग पर उस समय हुआ, जब तीनों ऑटो से स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने जा रहे थे। तीनों छात्रों को दीफू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां से छात्र को बेहतर इलाज के लिए दीमापुर के एक अस्पताल में रेफर किया गया।

कार अनियंत्रित होकर पलटने से तीन लोगों की मौत

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ थाना कोतवाली क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक बच्चे सहित चार अन्य घायल हो गए। नोएडा के एकमूर्ति से सात लोग कार में सवार होकर उन्नाव जा रहे थे।

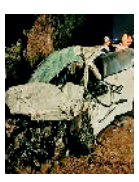

स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने बताया 2047 तक देश का लक्ष्य

पीएम मोदी बोले- 'रक्षा शक्ति' सात धाराओं में से एक, सुदर्शन चक्र मजबूत स्वदेशी सुरक्षा कवच

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 13वीं बार लाल किले से भाषण दिया। प्रधानमंत्री ने एआई, यूथ स्केलिंग, स्पोर्ट्स टैलेंट हंट जैसे बड़े ऐलान किए। पीएम मोदी स्वतंत्रता दिवस के भाषण में 2035 तक देश की रक्षा और सुरक्षा को आधुनिक बनाने के लिए 'मिशन सुदर्शन चक्र' की प्रगति का जिक्र किया। इसके तहत सामरिक और नागरिक ठिकानों को एक मजबूत स्वदेशी सुरक्षा कवच प्रदान किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'रक्षा शक्ति' को शक्ति की सात धाराओं में से एक बताया। उन्होंने कहा यह 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की कुंजी है। 15 अगस्त, 2026 को दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर बल दिया और भारत के आधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की दिशा में युवाओं से समाज और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका संभालने का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री ने अपने 13वें संबोधन में देश से नक्सलवाद ▶▶|शेष पेज 8 पर

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के लिए युवाओं से किया आह्वान

डिफेंस, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल ट्रांजैक्शन की बढ़ोतरी के साझा किए आंकड़े

खेल के लिए देशव्यापी प्रतिभा खोज

मोदी ने 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत को मजबूत दावेदार बताते हुए कहा कि इस बड़े आयोजन में देश की मजबूत मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए पांच से 15 वर्ष की आयु तक के संभावित खिलाड़ियों की पहचान करने के वास्ते देशव्यापी प्रतिभा खोज अभियान शुरू किया जाएगा।

'दिमागी नक्सल' पर किया अलर्ट

पीएम मोदी ने नक्सलवाद को खत्म करने में अपनी सरकार की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा, जंगलों में 'हथियारी नक्सल' के खिलाफ सफलता मिली है, लेकिन अब 'दिमागी नक्सल' मौके की तलाश में हैं। उनका कहना था कि ऐसे तत्व हिंसा और अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं।

मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग

मोदी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की घोषणा की ताकि उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ कम हो सके। उन्होंने कहा, हर मां-बाप को लग रहा है कि कोचिंग क्लास में नहीं भेजा तो हम प्रतिष्ठित परिवार नहीं हैं। इन गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की हम चिंता करते हैं।

लखपति दीदी योजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2023 के भाषण में लखपति दीदी योजना की घोषणा की थी, जो साल 2024 में शुरू हो गया था। इस योजना का उद्देश्य सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स की ग्रामीण महिला सदस्यों की सालाना घरेलू आय को लगातार 1 लाख रुपये या उससे ज्यादा करना है। अब 6 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है।

ऐसी घोषणाएं भी

- एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई स्किल्स की ट्रेनिंग दी जाएगी
- 1-2 साल के अंदर 7-8 नए सेमीकंडक्टर प्लांट शुरू किए जाने की घोषणा
- सिविल डिफेंस में सुधार करने की भी घोषणा की
- गांवों और शहरों में बच्चों के लिए देशव्यापी स्पोर्ट्स टैलेंट हंट अभियान
- भारत ने 2047 तक 100 जीडब्ल्यू परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को दीं शुभकामनाएं

रोजगार और निवेश का नया केंद्र बना छत्तीसगढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में हुए मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा, विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ हम सभी का सामूहिक लक्ष्य है। उन्होंने प्रदेशवासियों से एकजुट होकर छत्तीसगढ़ और भारत के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में योगदान देने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री ने कहा, स्वतंत्रता के अमृत मूल्यों से प्रेरणा लेकर, अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखते हुए और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका ▶▶|शेष पेज 8 पर

निवेश और रोजगार का नया केंद्र बन रहा छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री ने कहा, नई औद्योगिक नीति के माध्यम से कोर सेक्टर के साथ नए और उभरते क्षेत्रों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। देश-दुनिया में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट से अब तक 8 लाख 23 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे लगभग 1 लाख 74 हजार रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में देश का पहला एआई एसईजेड विकसित किया जा रहा है। रायपुर, नवा रायपुर और दुर्ग-भिलाई को शामिल करते हुए स्टेट कैपिटल रीजन का गठन किया गया है।

एनटीए ने की घोषणा

तीन विषयों के लिए दोबारा होगी यूजीसी-नेट परीक्षा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने जून में आयोजित यूजीसी-नीट 2026 के तीन विषयों अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र की परीक्षा रविवार को दोबारा कराने की घोषणा की। एनटीए ने इन विषयों के प्रश्नपत्रों में त्रुटियों की शिकायत मिलने के बाद यह फैसला लिया है। अंग्रेजी विषय की परीक्षा नौ सितंबर को सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक जबकि वाणिज्य विषय की परीक्षा उसी दिन अपराह्न तीन बजे से शाम छह बजे तक दूसरी पाली में आयोजित की जाएगी। समाजशास्त्र विषय की परीक्षा 10 सितंबर को सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक पहली पाली में आयोजित की जाएगी। एनटीए ने कनिष्ठ अनुसंधान छात्रवृत्ति (जेआरएफ), सहायक प्राध्यापक के तौर पर पात्रता और पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए 87 विषयों में 22 से 30 जून के बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) जून 2026 आयोजित की थी।

- अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र की पुन: परीक्षा अगले माह

9 और 10 सितंबर को पुन: परीक्षा

यूजीसी नेट जून 2026 के तीन पेपर सितंबर में आयोजित होंगे। एनटीए की ओर से जारी किए गए शेड्यूल के मुताबिक, रीएग्जाम 9 और 10 सितंबर को दो शिफ्ट में आयोजित किया जाएगा। 9 सितंबर को अंग्रेजी का पेपर पहली शिफ्ट में सुबह 9 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक होगा, जबकि उसी दिन यानी 9 सितंबर को ही कॉमर्स का पेपर दूसरी शिफ्ट में दोपहर 3 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक आयोजित होगा। फिर 10 सितंबर को सोशियोलॉजी का पेपर सुबह 9 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगा।

दोबारा क्यों आयोजित कराई जाएगी परीक्षा?

यूजीसी नेट के तीन पेपर दोबारा आयोजित कराने के पीछे कि वजह के बारे में बताते हुए एनटीए ने कहा है कि एक कमेटी की फाइंडिंग्स में तीनों पेपर्स में फैक्ट्स, टाइपिंग और ट्रांसलेशन की गलतियां पाई गई हैं इसलिए री एग्जाम का फैसला लिया गया है। इनमें जाने-माने स्कॉलर्स के गलत स्पेलिंग वाले नाम, गलत या गड़बड़ किताबों के टाइटल, सवालों के शब्दों में गलतियां, ग्रामर की गलतियां, जेंडर और नंबर एग्रीमेंट की गलतियां, पंक्चुएशन की गलतियां और जाने-माने कॉन्सेप्ट्स के लिए नॉन-स्टैंडर्ड टर्म्स शामिल थे।

दोबारा नहीं देनी होगी रजिस्ट्रेशन फीस

कमेटी ने यह भी पाया कि पिछली परीक्षाओं के काफी सवाल रिपीट भी हुए थे। कमेटी ने सलाह दी कि निष्पक्ष और बिना गलती वाली परीक्षा के लिए तीनों पेपर दोबारा करवाए जाएं। एनटीए ने कहा कि आंसर की चैलेंज प्रोसेस के दौरान सिर्फ सवाल हटाकर कमियों को ठीक नहीं किया जा सकता। री एग्जाम के एडमिट कार्ड अलग से जारी किए जाएंगे। एनटीए ने उम्मीदवारों को एक राहत भी दी है। इस एग्जाम के लिए दोबारा रजिस्ट्रेशन फीस या एग्जाम फीस नहीं ली जाएगी।

वाराणसी में हड़कंप, महिला कर्मी समेत दो घायल

हवाई अड्डे पर जांच के दौरान यात्री की पिस्तौल से गोली चली, दो घायल

एजेंसी ▶▶| वाराणसी/नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल भवन में रविवार सुबह जांच के दौरान एक यात्री की लाइसेंसी पिस्तौल से कथित तौर पर गलती से चली गोली से एक महिला कर्मचारी और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। नागर विमानन मंत्रालय ने यह जानकारी दी। ब्यूरो परिस्थितियों की जांच कर रहा है, जिसमें हवाई अड्डों पर लाइसेंस वाले हथियारों को ले जाने के लिए तय प्रक्रियाओं का पालन करना भी शामिल है।

कारतूस की गिनती के दौरान चली गोली

पुलिस ने बताया कि मुंबई जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस से यात्रा करने के लिए आजमगढ़ निवासी कमलेश राय पत्नी के साथ हवाई अड्डे पहुंचे थे। उनके पास लाइसेंसी पिस्तौल थी।

हथियार की जानकारी होने पर की जांच

इस बीच,वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निदेशक पुनीत गुप्ता ने कहा, आज सुबह लगभग साढ़े नौ बजे, उड़ान आईएक्स-1810 से पत्नी के साथ मुंबई जा रहे एक यात्री ने विमान में ले जाने के लिए एक हथियार की जानकारी दी।

15 दिन में मांगा जवाब

विज्ञापन पर शाहरूख, अजय और टाइगर को भेजा नोटिस

एजेंसी ▶▶| मुंबई

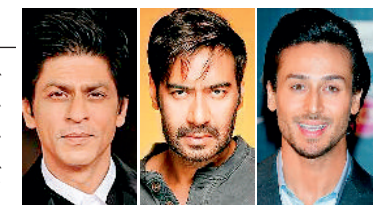

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने 'विमल इलायची' के विज्ञापन को लेकर अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में तीनों अभिनेताओं को 'ब्रांड प्रचारक' बताया गया है और उनसे 15 दिनों के भीतर जवाब मांगा गया है। एफडीए का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह प्रतिबंधित पान मसाला और तंबाकू से जुड़े उत्पादों का अप्रत्यक्ष या छद्म प्रचार प्रतीत होता है।

नक्सलियों के डर से कभी घर में दुबक जाते थे लोग, अब ध्वजारोहण करने गांव में उमड़े ग्रामीण

बस्तर में नक्सलवाद खात्मे के बाद 97 गांवों में पहली बार लहराया तिरंगा

पहली बार तिरंगा लहराया
- बीजापुर जिले के **33**
- सुकमा के **50**
- दंतेवाड़ा के **5**
- नारायणपुर जिले के **9** गांव में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नक्सलवाद से प्रभावित बस्तर संभाग के नक्सलवाद से 31 मार्च 2026 को मुक्त होने के बाद 97 गांवों में पहली बार तिरंगा फहराया गया। नक्सल प्रभावित बस्तर में तिरंगे की जगह नक्सलियों का झंडा फहराया जाता है। ग्रामीण दहशत के कारण जयहिंद, वंदे मातरम् आदि कुछ भी नहीं बोल पाते थे। इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त खास रहा, ▶▶|शेष पेज 8 पर

बस्तर के कोने-कोने में संविधान कर रहा काम

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि संविधान को नहीं मानने वाले समाप्त हो गए हैं। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का लिखा हुआ संविधान बस्तर के सभी इलाकों में लागू हुआ है। हर व्यक्ति स्वतंत्र होकर अपने हक और अधिकार की बात कर सकता है। कोई जनअदालत अब नहीं है, जो कभी खौफ का पर्याय हुआ करता था।

दुर्गम पहाड़ी आमामोरा, ओढ़, मटाल में पहली बार शान से लहराया तिरंगा

अलग खबर

शेख हसन खान ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत कुल्हाड़ीघाट की दुर्गम पहाड़ियों पर बसे आमामोरा, ओढ़ ,मटाल और भालूडिग्गी ग्रामों में इस स्वतंत्रता दिवस पर एक नया इतिहास रचा गया। पिछले तीन दशकों से ▶▶|शेष पेज 8 पर

चिंतन

बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी

आतंकवाद की दुनिया में आजकल बंदूक से पहले विचारधारा पहुंचती है और इसका सबसे आसान निशाना बनते हैं कम उम्र के बच्चे और युवा। इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन नेटवर्क ने कट्टरपंथी संगठनों को युवाओं और बच्चों तक पहुंच बनाने का आसान तरीका उपलब्ध करवाया है। इसके जरिये आतंकी और कट्टरपंथी नेटवर्क कम उम्र के बच्चों और युवाओं तक पहुंच बना रहे हैं। ऐसे में बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी हो गया है। यह नजर जासूसी के लिए नहीं, बल्कि उन्हें गलत दिशा में जाने से रोकने के लिए होनी चाहिए। आज का बच्चा इंटरनेट की ऐसी दुनिया में बड़ा हो रहा है, जहां दोस्ती, बातचीत, मनोरंजन और जानकारी के साथ-साथ गलत विचारधाराएं और संदिग्ध नेटवर्क भी मौजूद हैं। किसी अनजान व्यक्ति का संदेश, किसी ऑनलाइन ग्रुप का निमंत्रण या लगातार मिलने वाला भावनात्मक कंटेंट धीरे-धीरे बच्चे की सोच को प्रभावित कर सकता है। हाल के मामलों ने इस खतरे को और गंभीर बना दिया है। बेंगलुरु में पश्चिम बंगाल के 23 वर्षीय युवक आसफुल मलिक की गिरफ्तारी से जुड़े आरोपों में संदिग्ध ऑनलाइन संपर्क और प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी से संबंधों की जांच सामने आई है। उसके अफगानिस्तान जाने की कथित योजना और भारत में हिंसक गतिविधियों के लिए उकसाए जाने की भी जांच हो रही है। यह मामला यह समझने के लिए काफी है कि कट्टरपंथीकरण को केवल बच्चों की समस्या मानना गलत होगा। किशोरों के साथ-साथ 20-25 वर्ष के युवा भी इसके निशाने पर हो सकते हैं। पाकिस्तान आधारित हैंडलरों द्वारा भारतीय युवाओं को सोशल मीडिया के जरिए कथित तौर पर फंसाने की जांच भी इसी खतरे की दूसरी तस्वीर दिखाती है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर, बेरोजगार या किसी तरह की परेशानी से जूझ रहे युवाओं को पहले पैसों और मदद का लालच दिया जाता है। 12 से 25 हजार रुपये जैसी रकम से शुरुआत कर छोटे काम करवाए जाते हैं। पहले फोटो और वीडियो, फिर किसी स्थान की रेकी और आगे चलकर हिंसक गतिविधियों तक पहुंचाने की कोशिश की जाती है। यानी किसी युवा को आतंकी नेटवर्क का हिस्सा बनाने की प्रक्रिया अचानक नहीं होती, बल्कि धीरे-धीरे उसके भरोसे और कमजोरियों का इस्तेमाल किया जाता है। यहीं परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। माता-पिता को बच्चे के मोबाइल की हर गतिविधि पर शक करने के बजाय उसके डिजिटल व्यवहार को समझना चाहिए। निगरानी का मतलब बच्चे की निजता खत्म करना नहीं है। घर में संवाद का ऐसा वातावरण जरूरी है, जहां बच्चा अपनी उलझन, गुस्सा, असहमति और ऑनलाइन अनुभव खुलकर बता सके। स्कूल और कॉलेजों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें डिजिटल साक्षरता, फर्जी जानकारी की पहचान, ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रचार और साइबर सुरक्षा के बारे में भी जागरूक करना होगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को संदिग्ध ऑनलाइन नेटवर्क पर नजर रखनी होगी। किसी बच्चे के व्यवहार में बदलाव दिखे तो उसे अपराधी मानने के बजाय समझने और मदद करने की कोशिश हो। आज आतंक का खतरा केवल सड़क, सीमा या किसी संदिग्ध ठिकाने पर नहीं है। वह मोबाइल की स्क्रीन के दूसरी तरफ भी हो सकता है। इसलिए बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना अब विकल्प नहीं, समय की जरूरत है।

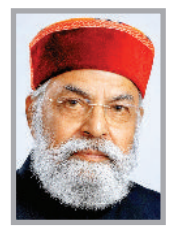

पर्यावरण
ज्ञानेन्द्र रावत

विकराल हो रहा जलवायु परिवर्तन संकट

जलवायु परिवर्तन का संकट अब दिनोंदिन जानलेवा होता जा रहा है। दरअसल दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरा करने के लिए कोयला, तेल और गैस का जो बेतहाशा इस्तेमाल हो रहा है, उससे होने वाले उत्सर्जन से जलवायु लक्ष्यों की पूर्ति असंभव है। तापमान बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सीमित रखने के लिए 2030 तक अपने उत्सर्जन को आधा करने के लक्ष्य की दिशा में कोई कारगर पहल न होने के परिणाम दिनोंदिन और भयावह होते जा रहे हैं। फिर जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की रोकथाम के लिए बनी वैश्विक सहमति भी बीते सालों में कमजोर पड़ी है। इसके साथ-साथ वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर में हो रही बढ़ोतरी ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि धरती की गर्म सांसों के चलते ऋतुओं की लय बिगड़ती चली जा रही है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि जलवायु परिवर्तन से न केवल मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, उसकी सेहत पर आयेदिन खतरा बढ़ता जा रहा है, बच्चों का भविष्य छिनता जा रहा है, वह लोगों में अकेलापन बढ़ा रहा है, महिलाओं पर गंभीर असर डाल रहा है, दुनिया की बहुमूल्य धरोहरों के अस्तित्व के संकट को बढ़ा रहा है, साथ ही वह दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियों के घर ही नहीं छीन रहा है बल्कि उन पर विलुप्ति का खतरा भी मंडराने लगा है।

दुनिया के हालिया शोध और अध्ययन इसके जीते-जागते सबूत हैं। वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आने वाले समय में आशंकित विकट परिस्थितियों को लेकर चिंतायें बढ़ाती जा रही हैं। सबसे बड़ी चिंता इस बात की है और एक अध्ययन में इस बात का खुलासा भी हुआ है कि यदि तापमान वृद्धि की दर इसी तरह बढ़ती रही तो साल 2085 तक भूमि पर एक तिहाई से ज्यादा जीव आवास यानी एनिमल हैबिटेट जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव (लू) या जंगल में आग लगने जैसी चरम घटनाओं की चपेट में आ सकते हैं। यही नहीं, जलवायु परिवर्तन की रफ्तार यही बरकरार रही तो इस सदी के आखिर तक दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियां अपने प्राकृतिक आवास के बड़े हिस्से से न केवल महरूम हो जाएंगी, बल्कि बहुतेरी पौध-प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हे जाएगा। यह संकट तेजी से शून्य उत्सर्जन की दिशा में कदम उठाने से इन दुष्प्रभावों को काफी हद तक टाला जा सकता है। जर्मनी की पाट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंफैक्ट रिसर्च के शोधकर्ताओं का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और विशेष रूप से चरम घटनाओं संरक्षण योजना के संदर्भ में अभी भी बहुत कम आंका जा रहा है। यह केवल कई बरसों में तापमान का धीरे-धीरे बदलाव नहीं होगा। कई चरम घटनायें संयुक्त प्रभाव डाल सकती हैं और जैव विविधता के लिए सहकारी खतरे का निर्माण कर सकती हैं। दरअसल दुनियाभर में बढ़ता तापमान अब सिर्फ इंसान और जानवरों के लिए ही नहीं, बल्कि ऋतुओं के लिए भी खतरनाक बनता जा रहा है। धरती के वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर आज उस मुकाम पर आ पहुंच गया है जो मानव इतिहास में कभी नहीं रहा। यदि हमने समय रहते कड़े कदम नहीं उठाये, तो दुनिया के संवेदनशील क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाना मुश्किल हो जाएगा और ऋतुचक्र जो मानव सभ्यता के फलने-फूलने का आधार

था, पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। जहां तक भारत का सवाल है, हमारी पारंपरिक पहचान उसके विविध ऋतुचक्र से रही है। पर अब यह चक्र टूट रहा है। इसका अहम कारण जलवायु परिवर्तन है। धरती की गर्म सांसों के चलते ऋतुओं की लय बिगड़ती जा रही है। मौसम का यह बदला हुआ मिजाज केवल आंकड़ों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह अब आम आदमी की जीवन शैली को भी गहरे तक प्रभावित कर बदल रहा है। मानसून का समय अनिश्चित है। बेमौसम वर्षा से फसलें बर्बाद हो रही हैं। नतीजतन कृषि घाटा बढ़ता जा रहा है। सच्चाई यह है कि जलवायु परिवर्तन ने भारत के भौगोलिक पैटर्न को ही बदल दिया है। जो घटनाएं पहले बरसों में एक आध बार होती थीं, वे अब सामान्य यानी आए दिन होने लग गई हैं। राजस्थान और लेह जैसे शुष्क और रेगिस्तानी इलाकों में अब बाढ़ आना आम बात हो गई है। पहाड़ी राज्यों और हिमालयी इलाकों में सालभर तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। इसके दुष्परिणाम स्वरूप ग्लेशियरों के पिघलने और पारिस्थितिक तंत्र के बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। निष्कर्ष यह कि अब देश में ऋतुओं का आपस में विलय हो रहा है। सर्दी, गर्मी और बारिश के बीच की स्पष्ट रेखायें अब धुंधली पड़ने लगी हैं। दरअसल तापमान बढ़ोतरी की दर यदि 1.5 डिग्री तक न रोकी गई तो इसकी सबसे ज्यादा बड़ी कीमत भारत को चुकानी होगी। भारत के लगभग 60 करोड़ लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। तापमान बढ़ने से मिट्टी तेजी से सूखने लगेगी। उस दशा में मिट्टी की नमी बरकरार रखने के लिए अधिकाधिक तादाद में भूजल निकालना होगा। परिणामस्वरूप भूजल स्रोत सूखने के कगार पर पहुंच जाएंगे। चूंकि हमारा देश गेहूं व धान का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, ऐसी स्थिति में भूजल के सूखने के चलते गेहूं और धान की फसल पर बुरा असर पड़ेगा। यही नहीं, मत्स्य पालन, बागवानी और पशुपालन पर भी असर पड़े बिना नहीं रहेगा। यहां इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि तापमान में एक फीसदी की बढ़ोतरी बादलों में सात फीसदी से ज्यादा पानी भर देगा। नतीजतन बादल फटेंगे और उस दशा में बाढ़ और भूस्खलन की भयावहता का खतरा बढ़ेगा। वैज्ञानिकों की राय है कि ग्लेशियर के पिघलने से भूस्खलन का खतरा बना रहता है। इनके सूख जाने पर गंगा जैसी सदानीरा नदियों के बरसाती नदी के रूप में तब्दील होने और आसन्न जल संकट की विकरालता से कभी भी दो चार होना पड़ सकता है। यदि बीते सालों में किए गए सर्वेक्षणों की मानें तो भारत के 85 फीसदी लोग जलवायु परिवर्तन से चिंतित हैं और 87 फीसदी चाहते हैं कि उसकी रोकथाम के शीघ्र उपाय किए जाने चाहिए। वैश्विक तापमान को अगले सौ वर्षों में डेढ डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं बढ़ने देने का लक्ष्य हासिल कर लेने के बावजूद विश्व के संवेदनशील क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचा पाना आसान नहीं होगा। ऐसी स्थिति में भारत को विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने उत्सर्जन लक्ष्य नए सिरे से तय करने की जरूरत है। जबकि क्लाइमेट ट्रांसपेरेंसी की रिपोर्ट की मानें तो 2030 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी करीब करीब दोगुने की बढ़ोतरी होने की आशंका है। फिर जलवायु परिवर्तन से वेलकम ट्रस्ट और क्लाइमेट ओपिनियन रिसर्च के अध्ययन द्वारा सेहत पर होने वाले भयावह खतरे की चेतावनी ने चिंता को और बढ़ा दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण की चिंता नहीं रह गया है, बल्कि यह अब लोगों के शरीर, उनकी सांस, उनके बच्चों की सेहत की चिंताओं तक पहुंच गया है। इसलिए जीवन शैली में बदलाव समय की महती आवश्यकता है, तभी हम जलवायु परिवर्तन के दानव से कुछ हद तक मुकाबला कर पाने में कामयाब हो सकते हैं।

(लेखक पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

> जलवायु परिवर्तन का संकट अब दिनोंदिन जानलेवा होता जा रहा है। दरअसल दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरा करने के लिए कोयला, तेल और गैस का जो बेतहाशा इस्तेमाल हो रहा है, उससे होने वाले उत्सर्जन से जलवायु लक्ष्यों की पूर्ति असंभव है। तापमान बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सीमित रखने के लिए 2030 तक अपने उत्सर्जन को आधा करने के लक्ष्य की दिशा में कोई कारगर पहल न होने के परिणाम दिनोंदिन और भयावह होते जा रहे हैं। फिर जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की रोकथाम के लिए बनी वैश्विक सहमति भी बीते सालों में कमजोर पड़ी है। इसके साथ-साथ वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर में हो रही बढ़ोतरी ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया है।

डिजिटल दौर

अमरनाथ सक्सेना

युवाओं के सामने उभरती चुनौतियां

भारत की 26% आबादी ऐसे लोगों की है जिनकी उम्र 15 से 29 साल के बीच है। भारत को इस बात पर गर्व है कि उसके पास युवा प्रतिभाओं की भरमार है। ये युवा डिजिटल तौर-तरीकों को अच्छी तरह से समझते हैं, वे महत्वाकांक्षी हैं और कुछ नया प्रयोग करने से लेकर नए क्षेत्रों में कदम रखने से वे हिचकिचाते नहीं हैं। वे हमारे देश को विकास के अगले स्तर तक ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि इन उम्मीदों के साथ उन्हें कुछ नए तरह के जोखिमों से दो-चार होना पड़ रहा है, जिसका सामना पिछली पीढ़ी ने कभी नहीं किया था। साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधी ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट को हैक कर सकते हैं, और जो शॉपिंग वेबसाइटें बेहद सुरक्षित और भरोसेमंद दिखाई देती हैं, वहां भी लोग ठगी का शिकार बन सकते हैं। इससे आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है और यह एक गंभीर समस्या का रूप भी धारण कर सकती है। गौरतलब है कि जहां टेक्नोलॉजी ने भारतीय युवाओं को सशक्त बनाया है, वहीं इसकी वजह से वे गंभीर जोखिमों के प्रति असुरक्षित भी बन गए हैं। साइबर धोखाधड़ी जैसे कि पहचान चुराना, फिशिंग अटैक और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे अपराध दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। युवा लोग जो अक्सर ऑनलाइन लेन-देन करते हैं, डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए निवेश करते हैं और कई पेमेंट एप्लीकेशन का इस्तेमाल करते हैं, यहां वे अक्सर साइबर अपराधों की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के अनुसार वर्ष 2021 से जून 2025 तक के बीच 65.9 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। कई युवा नौकरीपेशा लोग इस बात से अनजान होते हैं कि भारत में अब लोगों के लिए खास साइबर इंश्योरेंस पॉलिसियां उपलब्ध हैं। ये पॉलिसियां अनधिकृत डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, पहचान चुराना, ऑनलाइन वसूली और साइबर खतरों से प्रभावित हुए डिजिटल उपकरणों को ठीक करने में होने वाले खर्चों के लिए आर्थिक मदद पेश करती हैं। जैसे-जैसे डिजिटल जीवनशैली हमारी जिंदगी का हिस्सा बनती जा रही है, वैसे-वैसे युवा पीढ़ी के लिए साइबर इंश्योरेंस भी हेल्थ इंश्योरेंस जितना ज़रूरी बनते जा रहा है। साइबर अपराधी युवाओं को कई तरह से ठगी का शिकार बना सकते हैं, इसलिए साइबर खतरों से बचने के लिए आपके पास साइबर इंश्योरेंस का होना बेहद ज़रूरी है। आज के भारतीय युवा जिस चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह है जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां। हाल के अध्ययन पुष्टि करते हैं कि भारतीय युवाओं में डायबिटीज़, कार्डियक अरेस्ट जैसे मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं, जबकि पहले ये बीमारियां अधेड़ उम्र के लोगों को होती थीं। हाल की रिपोर्टों के अनुसार लगभग 18–40 साल की उम्र के 18% लोग डायबिटीज़ से जूझ रहे हैं, जबकि 25% लोग प्री-डायबिटीक हैं। इससे यह बात पता लगती है कि पहले डायबिटीज़ को अधेड़ उम्र में होने वाला रोग माना जाता था, लेकिन अब यह विचारधारा बदल रही है। अध्ययन दर्शाते हैं कि 40 साल से कम उम्र के लोगों में कार्डियक के मामले बढ़ रहे हैं, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। इन बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए, युवाओं के लिए बेहद ज़रूरी है कि वे अपने लिए एक ज़बरदस्त हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ज़रूर चुनें। और तो और युवाओं के लिए यह भी ज़रूरी है कि वे इसे कम से कम उम्र में लें, ताकि सेहतमंद रहते हुए वे पॉलिसी की प्रतीक्षा अवधि पूरी कर लें। इससे यह बात भी पक्की हो जाएगी कि उन्हें फटाफट कवरेज मिलेगा और जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा ज़रूरत होगी, तब वे इसे अच्छी तरह से इस्तेमाल कर पाएंगे। संक्षेप में, इस डिजिटल दौर में भारत के युवा दर्शाते हैं कि वे इस देश की सबसे बड़ी ताकत तो हैं, लेकिन सबसे ज्यादा साइबर खतरों का सामना भी इसी वर्ग को करना पड़ता है। जहां स्मार्टफोन और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शिक्षा, करियर और दुनिया से संपर्क बनाने के लिए नए-नए अवसर पेश कर रहे हैं, वहीं इन्हीं के ज़रिए भारतीय युवा साइबर धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, मानसिक स्वास्थ्य की समस्या और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे गंभीर खतरों का सामना भी कर रहे हैं। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए पता लगता है कि इन युवाओं को साइबर इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस दोनों में निवेश करना चाहिए, ताकि वे न केवल डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षित रहें, बल्कि उनकी सेहत की भी सुरक्षा हो। इससे भारतीय युवा अचानक से आने वाले किसी भी साइबर खतरे से सुरक्षित रहने के साथ-साथ अपनी आकांक्षाएं भी आसानी से पूरी कर पाएंगे।

(लेखक चीफ टेक्निकल ऑफिसर-बजाज जनरल इंश्योरेंस हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं

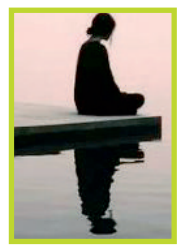

संकलित
दर्शन

आज के समय में लोग हर बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देना चाहते हैं। सोशल मीडिया से लेकर निजी जीवन तक अपनी बात साबित करने की होड़ लगी रहती है। लेकिन कई बार ज्यादा बोलना रिश्तों में दूरी, मन में तनाव और निर्णयों में जल्दबाजी का कारण बन जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता हमें याद दिलाता है कि मौन अक्सर वह प्रकट कर देता है, जिसे शोर कभी नहीं कर सकता है। इसका मतलब हमेशा चुप रहना नहीं, बल्कि सही समय पर रखा गया मौन कई बार सबसे प्रभावशाली उत्तर बन जाता है। बहुत से लोग मानते हैं कि चुप रहना कमजोरी का संकेत है, लेकिन गीता का संदेश इससे बिल्कुल अलग है। जब व्यक्ति बिना क्रोध, अहंकार या आवेश के शांत रह पाता है, तो यह उसके आत्मसंयम को दर्शाता है। हर बात पर प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य रखना मानसिक परिपक्वता की निशानी है। ऐसा व्यक्ति परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ पाता है और जल्दबाजी में गलत निर्णय लेने से बच जाता है। मौन रखने वाला व्यक्ति भीतर से मजबूत होता है। जब मन क्रोध, चिंता या भ्रम से भरा होता है, तब सही और गलत का अंतर समझना कठिन हो जाता है। लेकिन कुछ पल का मौन मन को स्थिर कर देता है। शांत वातावरण में व्यक्ति अपने विचारों को स्पष्ट रूप से देख पाता है और बिना भावनाओं में बहकर निर्णय लेता है। यही कारण है कि जीवन के महत्वपूर्ण फैसलों में धैर्य और शांति को हमेशा महत्व दिया गया है। शांत मन से लिया गया निर्णय लंबे समय तक सही साबित होता है।

एकाग्रता ही ज्ञान की असली कुंजी

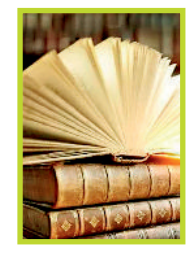

संकलित
प्रेरणा

विद्यार्थी जीवन सिर्फ किताबें रटने या अच्छे अंक लाने का समय नहीं होता है। यह वह उम्र है जब सोच, आदतें, हिम्मत और व्यक्तित्व बनते हैं। आज के समय में मोबाइल, सोशल मीडिया और परीक्षा के दबाव के बीच कई स्टूडेंट्स ध्यान खो देते हैं और तनाव के शिकार हो जाते हैं। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को अपनी भीतरी ताकत पहचानने, मन को एक जगह टिकाने और मजबूत चरित्र बनाने की सीख दी थी। उनकी बातें आज भी हर विद्यार्थी के लिए सफलता का आसान रास्ता दिखाती हैं। स्वामी विवेकानंद मानते थे कि मन को एक जगह केंद्रित करना ही शिक्षा का सार है। वे कहते थे कि एकाग्रता की शक्ति ज्ञान के खजाने की चाबी है। आजकल पढ़ाई करते समय बार-बार फोन देखने या सोशल मीडिया घूमने से मन बिखर जाता है। अगर कुछ देर के लिए मोबाइल दूर रखकर सिर्फ एक काम पर पूरा ध्यान दिया जाए, तो आसानी विषय समझ में आता है और याद भी हो जाता है। रोज थोड़ा अभ्यास करने से मन मजबूत होता है। एकाग्रता बढ़ाने वाला विद्यार्थी किसी भी विषय को आसानी से सीख लेता है और सफलता उसके करीब आ जाती है। परीक्षा या भविष्य की चिंता अक्सर विद्यार्थियों का आत्मविश्वास घटा देती है। स्वामी विवेकानंद ने हमेशा कहा कि खुद पर विश्वास सबसे जरूरी है। डर को छोड़कर आगे बढ़ने वाला व्यक्ति मुश्किलों में भी रास्ता ढूंढ लेता है। असफलता आ जाए, तो हार मानने के बजाय फिर से कोशिश करने का साहस रखना चाहिए। जो विद्यार्थी अपनी क्षमता पर भरोसा रखता है वह दबाव में भी शांत रहता है।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर क्राइम के बढ़ते कदम रोकने होंगे

जिस गति से साइबर क्राइम बढ़ रहा है, यह आम आदमी के लिए एक मुसीबत बन गई है और लुटेरों के लिए जैसे मनोरंजन और लॉटरी लगी है। हैरानी इस बात की है कि इस मर्ज की दवा किसी के पास नहीं। किसी को जब चाहें, अपराधी बंधक बना कर सब कुछ लूट लेते हैं और उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। देश में बड़ी संख्या में लोग इस क्राइम के शिकार हो रहे हैं। यह अत्यंत गंभीर समस्या है और इससे आंख नहीं फेरी जा सकती। जहां डिजिटलाइजेशन के अनेक लाभ हैं, इससे कई गुणा हानियां भी हैं। द्वंद्व यह है कि इसे अपनाएं या नहीं? इस पर सभी को गंभीरता एवं शीघ्रता से समाधान निकालना होगा। आज नहीं तो कल हर कोई इसका शिकार होगा। यह एक चुनौती भी है। सभी को सचेत रहना होगा।

– मोहन लाल यादव, रायपुर

ट्रेंड

वाजपेयी को श्रद्धांजलि

अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूँ। अद्भुत दूरदर्शिता वाले एक असाधारण राजनेता के तौर पर, उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचारों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मज़बूत बनाया।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

सरकार का सामना

भारत के युवाओं ने जिस हिम्मत और मज़बूती के साथ मोदी जी की हिंसक सरकार का सामना किया है और जवाबदेही की मांग की है, वह तारीफ़ के काबिल है। उन्होंने शांति, प्यार और मज़ाक-मज़ाक में अपनी आवाज़ उठाई।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

दिव्यास्त्र एमके3

डीजी प्रोपल्शन के स्वदेशी जेट इंजन से चलने वाले 'दिव्यास्त्र एमके3' की सफल पहली उड़ान, 100% स्वदेशी जेट-पावर्ड 'लोइटरिंग म्यूनिशन' की दिशा में एक अहम कदम है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हमारे इनोवेटर्स और इंजीनियरों को बधाई।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

युवाओं की ऊर्जा

हमारी सरकार युवाओं की ऊर्जा को नई दिशा देने के लिए लगातार काम कर रही है और उन्हें कौशल, स्वरोज़गार और खेल-कूद से जोड़ रही है। इसी संकल्प के साथ, वर्ष 2027 को 'युवा वर्ष' घोषित किया है।

- **डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मध्यप्रदेश

करंट अफेयर

आर्कटिक रूट : चीन नई चाल से बदलने चला समुद्री कारोबार

पिछले कुछ सालों में लाल सागर, स्वेज नहर और दूसरे समुद्री रास्तों पर युद्ध और तनाव ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि अगर एक समुद्री रास्ता बंद हुआ तो हजारों जहाजों का रास्ता बदल सकता है। अब चीन ने दक्षिण के जोखिम भरे रास्ते की जगह 20 दिन में यूरोप पहुंचने वाला आर्कटिक समुद्री रास्ता इस्तेमाल करने का फैसला किया है। अभी चीन से यूरोप जाने वाले बड़े कंटेनर जहाजों को आमतौर पर दक्षिण की ओर जाना पड़ता है। हिंद महासागर, अरब सागर, लाल सागर और फिर स्वेज नहर के जरिए भूमध्य सागर पार करके यूरोप पहुंचा जाता है लेकिन उत्तरी जल मार्ग में रास्ता उल्टा है। जहाज चीन के उत्तरी हिस्से से निकलकर रूस के साइबेरियाई तट के ऊपर से आर्कटिक महासागर में जाते हैं और फिर यूरोप की तरफ नीचे आते हैं यानी दुनिया के नक्शे पर चीन से यूरोप जाने के लिए जो रास्ता नीचे की तरफ जाता है, उसकी जगह चीन अब ऊपर से जाने वाला रास्ता तलाश रहा है। चीन लंबे समय से इस बात को लेकर चिंतित रहा है कि उसके व्यापार और ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा कुछ समुद्री रास्तों पर निर्भर है। इसे चीन की मलक्का दुविधा से भी जोड़कर देखा जा सकता है। मलक्का एशिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है।

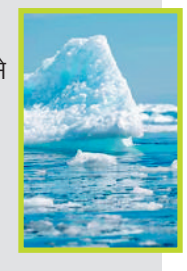

ऑफ बीट

तिरंगे के साथ 13 हजार फीट से छलांग, रचा इतिहास

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले तीन भारतीय उन 65 स्काईडाइवर्स में शामिल रहे, जिन्होंने लीबिया में 13,000 फीट की ऊंचाई से एक साथ छलांग लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। सभी स्काईडाइवर्स अपने-अपने देशों के राष्ट्रीय ध्वज लेकर विमान से कूदे थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 14 अगस्त को इस उपलब्धि की आधिकारिक पुष्टि की। रिपोर्ट के मुताबिक केरल के कन्नूर निवासी जमशीर थनालोट, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर निवासी अभिषेक रावत और बिहार के पटना की ईशा राज इस अभियान में शामिल तीन भारतीय थे। यह रिकॉर्ड सात अगस्त को बनाया गया। इस दौरान करीब 38 देशों के स्काईडाइवर्स ने सैन्य विमान इल्यूशिन इल-76टीडी से छलांग लगाई। 65 स्काईडाइवर्स का एक ही विमान से अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक साथ छलांग लगाना नया विश्व रिकॉर्ड है। भारतीय प्रतिभागियों ने छलांग के दौरान तिरंगा लहराया। यह प्रयास भारत के स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले किया गया, जिससे इसमें देशभक्ति का भाव भी जुड़ गया। तीनों भारतीय यूएई के स्काईडाइविंग समुदाय का हिस्सा हैं। वे पांच अगस्त को लीबिया पहुंचे थे और अंतिम प्रयास के लिए मंजूरी मिलने से पहले तीन अभ्यास छलांग लगाई थी।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

MARUTI SUZUKI
NEXA

EXPERIENCE A NEW DAWN
OF ELECTRIC MOBILITY.

Redefine your boundaries with Maruti Suzuki's First Electric SUV, the e VITARA.
Turn long drives into epic journeys, backed by India's Largest** Fast Charging Network.
Designed to offer everything you expect from an SUV, and everything you didn't expect from an EV.

e VITARA
India goes electric

INDIA'S LARGEST**
FAST-CHARGING NETWORK

543 km RANGE#

BHARAT NCAP
5 STAR SAFETY RATING BNCAP

NEXA edge
60% ASSURED BUYBACK AFTER 3 YEARS
8 YEARS WARRANTY
• BATTERY: 8 YEARS
• VEHICLE: 3+5(PAID) YEARS

SCAN TO CONNECT TO
A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @
WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Creative Visualisation. Images used are for illustration purposes only. | Applicable T&C available at the dealership. | **As certified by Kantar IMRB for an OEM platform for end-to-end usage as on November 28, 2025. | #543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. | Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years/1 00 000 km (whichever is earlier) with an option of extending the same on payment basis to 5 years/1 40 000 km and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components.

सत्यमेव जयते
पश्चिमबंग सरकार

भरोसे के 100 दिन

8 स्तंभ
विकसित
पश्चिम बंगाल
के निर्माण हेतु

पश्चिम बंगाल में नए अध्याय का
शुभारंभ

उद्योग | स्वास्थ्य | शिक्षा | सुशासन
सशक्तीकरण | सेवा | सुरक्षा | समृद्धि

100 दिन | परिवर्तन एक नज़र में

» उद्योग के 100 दिन

- ₹54,000+ करोड़ का निवेश प्रस्तावित
- ₹5,000 करोड़ के निवेश प्रोत्साहन रूपरेखा
- ₹100 करोड़ से अधिक का निवेश करने वालों के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था
- ₹100 करोड़ का स्टार्टअप फंड। नए उद्यमों व युवाओं के नये सोच को प्रोत्साहन

» स्वास्थ्य के 100 दिन

- 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा' योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का मुफ्त इलाज
- 'आयुष्मान भारत' योजना के दायरे में 1.43 करोड़ परिवार
- न्यू टाउन में निजी निवेशक समूह की पहल से 2,000 बेड वाले अत्याधुनिक अस्पताल का कार्य प्रारंभ। गरीबों के लिए 1,000 बेड आरक्षित
- उत्तर बंगाल में एम्स व अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल, सुंदरवन एवं जंगलमहल में आधुनिक राज्य सरकारी अस्पताल

» शिक्षा के 100 दिन

- मिड डे मील के बजट में वृद्धि और इस्कॉन के सहयोग से भोजन की गुणवत्ता में सुधार
- पश्चिम बंगाल के विभिन्न पुस्तकालयों की लगभग 35,000 पुस्तकें ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं
- सरकारी एवं बांग्ला माध्यम के विद्यालयों की स्थिति सुधारने हेतु ₹296 करोड़ की आर्थिक सहायता
- सरकारी विद्यालयों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन स्थापित। 10 लाख से अधिक छात्राओं को 'कन्या रत्न'

» सुशासन के 100 दिन

- 'गुंडा दमन कानून' लागू किया गया है
- 'जनता दरबार' के माध्यम से सीधे मुख्यमंत्री तक शिकायतें दर्ज हो रही है
- राज्य में 'भारतीय न्याय संहिता', 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' एवं 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम' लागू
- घूस, रंगदारी (तोलाबाज़ी), अवैध टोल बूथ एवं अवैध शराब कारोबार की शिकायत हेतु टोल-फ्री हेल्पलाइन नम्बर शुरू

» सशक्तीकरण के 100 दिन

- 1.19 करोड़ अन्नपूर्णा उपभोक्ताओं के बैंक खाते में प्रतिमाह पहुँच रहे ₹3,000
- महिलाओं के लिए सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा
- युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने के उद्देश्य से आगामी एक वर्ष में 1 लाख सरकारी नौकरियां देने का कार्य प्रारंभ
- सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण की घोषणा

» सेवा के 100 दिन

- आवास योजना के अंतर्गत 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रत्येक किश्त में ₹60,000 की आर्थिक सहायता प्रेषित
- माँ आहार कैंटीन में मछली-चावल की व्यवस्था
- वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों की मासिक पेंशन में ₹500 की वृद्धि
- सरकारी अस्पतालों में रोगियों के भोजन का दैनिक बजट ₹56 से बढ़ाकर ₹110 किया गया

» सुरक्षा के 100 दिन

- सीमा सुरक्षा हेतु बीएसएफ को 1,000+ एकड़ भूमि हस्तांतरित
- सड़कों पर 'दुर्गा सुरक्षा स्क्वाड' एवं 'पिंक गश्ती दल' की तैनाती
- साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम हेतु प्रत्येक थाने में 'साइबर हेल्प डेस्क'
- प्रत्येक सब-डिवीजन में महिला पुलिस स्टेशन, प्रत्येक थाने में 'महिला सहायता केंद्र'

» समृद्धि के 100 दिन

- कोलकाता में पश्चिम बंगाल का पहला 'अटल इनक्यूबेशन सेंटर' (AIC Techno) शुरू। यह केंद्र युवा उद्यमियों एवं स्टार्टअप्स के विकास हेतु कार्य करेगा
- पारदर्शी ओबीसी आरक्षण ढांचा : 17% अवैध आरक्षण को निरस्त कर 7% न्यायसंगत आरक्षण सुनिश्चित
- 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत राज्यभर में 2 करोड़+ वृक्षारोपण संपन्न
- पुरुलिया, बालूरघाट एवं मालदा में नए एयरपोर्ट तथा कल्याणी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे की पहल

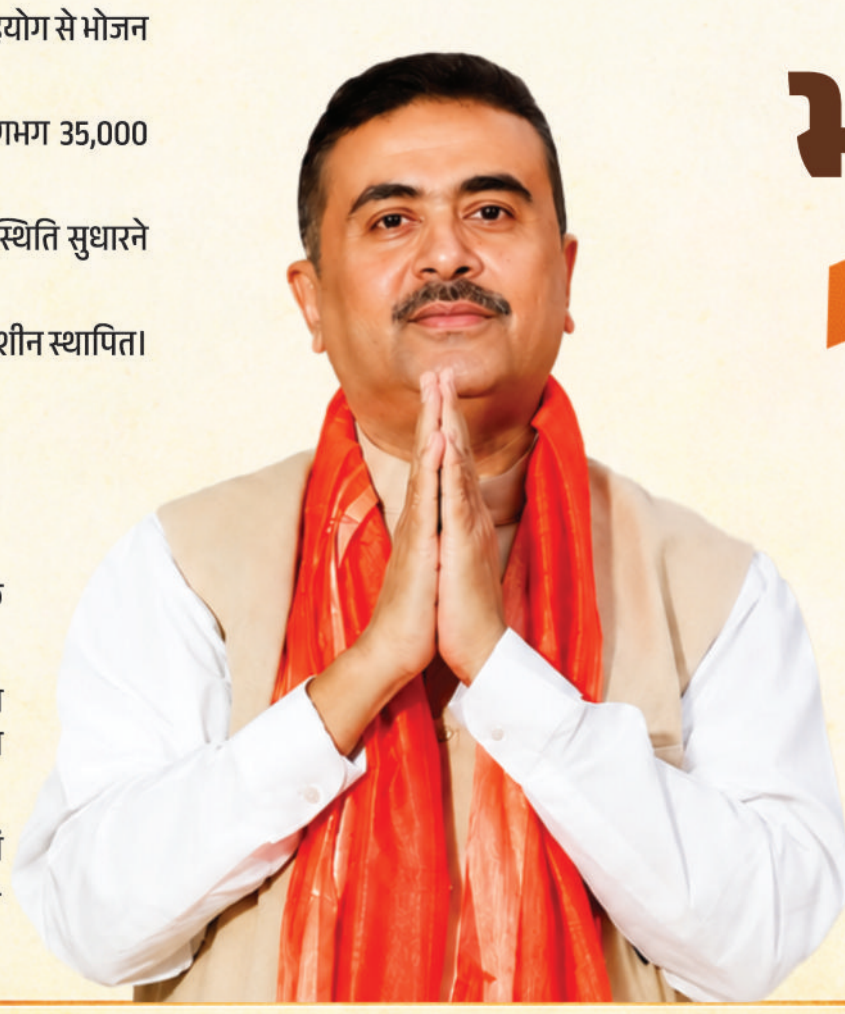

भरोसे के 100 दिन

विकास के संकल्प के साथ समृद्ध पश्चिम बंगाल के निर्माण का लक्ष्य

नई सरकार | नई दिशा | नया पश्चिम बंगाल

देश में झमाझम बरसात का दौर जारी, 12 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

अरुणाचल में भूस्खलन से 4 लोगों की मौत, बाढ़ में सेना के 5 जवान लापता

अरुणाचल प्रदेश में मानसून ने मचाई तबाही, हिमाचल में 109 सड़कें बंद, चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में बने मौसम सिस्टम के कारण देश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। अरुणाचल प्रदेश में बीते दिन शाम को हुई भारी बारिश ने दो अलग-अलग जगहों पर तबाही मचा दी। जानकारी के अनुसार, ऊपरी सुबनसिरी जिले में भूस्खलन से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दिबांग घाटी जिले में अचानक आई बाढ़ में सेना के पांच जवान लापता हो गए। 5वीं ग्रेनेडियर के साथ ही आईटीबीपी, जीआरएफ, स्थानीय स्वयंसेवक, पुलिस और अन्य टीमें भी बचाव अभियान में मदद कर रही हैं। हिमाचल में 109 सड़कें बंद हैं वहीं चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

दिबांग घाटी में दो शेल्टर बहे

दिबांग घाटी जिले में भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ ने तबाही मचा दी है। जिस वजह से पानी आर्मी कैंप के दो शेल्टर अचानक आई बाढ़ में बह गए। जानकारी के अनुसार, इस हादसे में सात सैनिक बह गए थे, जिनमें से दो को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि पांच अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। लापता जवानों की पहचान हवलदार उपेंद्र और कुंदन, विनोद, आदित्य और समुंडा के रुप में हुई हैं।

पहाड़ी राज्यों में बारिश व भूस्खलन की चेतावनी

मौसम विभाग के ताजा अपडेट की मानें तो पहाड़ी राज्यों में बारिश के साथ भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। आईएमडी ने उत्तराखंड के लिए तीन दिन बारिश व भूस्खलन का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान हरिद्वार, नैनीताल, चमोली, ऋषिकेश जैसे कई इलाकों में बारिश का दौर जारी रहेगा। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, के पुंछ, राजौरी, कुलगाम, किश्तवाड़ में बारिश के साथ लैंडस्लाइड की भी चेतावनी दी है। ये स्थिति हिमाचल प्रदेश में भी बनी रहेगी। कांगड़ा, शिमला, सोलन में बारिश होगी।

छत्तीसगढ़ सहित इन राज्यों के लिए अलर्ट घोषित

आईएमडी के मुताबिक दो दिन छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश में बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी में बने नए सिस्टम और अलग-अलग इलाकों में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण मानसून सक्रिय बना हुआ है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

सड़क कटाई स्थल में भूस्खलन, 4 की मौत

जानकारी के अनुसार, ऊपरी सुबनसिरी जिले के केओजारिंग-ब्याचिंग सड़क कटाई स्थल पर भूस्खलन हुआ। जिस वजह से मलबे के नीचे कई लोग दब गए थे। कड़ी मशक्कत के बाद मलबे से लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन अफसोस इन्हें बचाया न जा सका। मरने वालों में टाडू बाकी, ताजी राय, मार्कोश बसुमतारी और बाबुल अली का नाम शामिल हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम

'एट-होम' समारोह में शामिल हुए डॉ. हिमांशु

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्रपति भवन, सांस्कृतिक केंद्र में पारंपरिक 'एट-होम' समारोह आयोजित किया गया। समारोह में हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने सहभागिता की। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ डॉ. हिमांशु की विशेष भेंट भी हुई। गरिमामय और ऐतिहासिक समारोह में देश की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की और स्वतंत्रता दिवस की इस राष्ट्रीय संध्या को अत्यंत स्मरणीय बनाया।

सेना प्रमुख धीरज सेठ चार दिवसीय यात्रा पर नेपाल पहुंचे

काठमांडू। भारत के सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ नेपाल के अपने समकक्ष जनरल अशोक राज सिग्देल के निमंत्रण पर चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए रविवार दोपहर काठमांडू पहुंचे। नेपाल सेना के प्रवक्ता राजाराम बस्नेत के अनुसार, भारत के सेना प्रमुख को नेपाल सेना के मानद जनरल की उपाधि प्रदान की जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल सोमवार को शीतल निवास में एक विशेष समारोह में जनरल सेठ को मानद रैंक प्रदान करेंगे। दोनों बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) देशों के सेना प्रमुख सोमवार को आपसी सैन्य सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मानद रैंक देने की यह परंपरा 1950 से जारी है। इसके तहत नेपाल और भारत एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को 'जनरल' का मानद रैंक देते हैं।

कमांड और स्टाफ कोर्स के छात्रों को करेंगे संबोधित

यात्रा के दूसरे दिन यानी 18 अगस्त को थल सेना प्रमुख का व्यस्त कार्यक्रम रहेगा. जनरल धीरज सेठ शिवपुरी स्थित आर्मी कमांड एंड स्टाफ कोर्स के छात्र अधिकारियों को संबोधित करेंगे. इस दौरान वे वहां मौजूद प्रशिक्षकों और दूसरे देशों से आए छात्र अधिकारियों से भी बातचीत करेंगे. इसके अलावा, वे नेपाल के कई वरिष्ठ गणमान्य लोगों से भी मुलाकात करेंगे. इस मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हितों के अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। अपनी यात्रा के आखिरी दिन यानी 19 अगस्त को जनरल धीरज सेठ पोखरा जाएंगे. वहां वे भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों के लिए आयोजित एक विशेष रैली में शामिल होंगे. इस दौरान वे वीर नारियों और वीरता पुरस्कार विजेताओं का सम्मान करेंगे. पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों से मिलने के बाद वे उसी दिन भारत वापस लौट आएंगे।

दिल्ली कूच पर ब्रेक!

किसानों का ऐलान, खनौरी बॉर्डर पर ही 28 तक डटे रहेंगे

चंडीगढ़। किसान आंदोलन को लेकर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने हरियाणा प्रशासन के साथ हुई बातचीत का ब्योरा देते हुए बताया है कि किसानों ने फिलहाल दिल्ली कूच पर ब्रेक लगा दिया है और 28 अगस्त तक खनौरी बॉर्डर पर ही डटे रहने का फैसला किया है। बता दें कि हरियाणा प्रशासन ने दिल्ली जाने वाले किसानों की संख्या 51 से कम करने की मांग रखी थी। इस पर किसान संगठनों ने 41 लोगों का जत्था भेजने का प्रस्ताव दिया लेकिन प्रशासन 41 की संख्या पर भी सहमत नहीं हुआ। डल्लेवाल ने ये भी कहा है कि वो सड़क जाम नहीं करेंगे, बल्कि एक तरफ बैठकर शांतिपूर्वक अपना विरोध जारी रखेंगे।

अमेरिका से डील रद्द करवाना मकसद

किसान नेताओं का कहना है कि भारत और अमेरिका के बीच होने वाली संभावित 'ट्रेड डील' को रद्द करवाना उनका असल मकसद है। किसान इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से सीधी बातचीत करना चाहते हैं। डल्लेवाल ने कहा कि अगर कृषि मंत्रालय से जुड़े केंद्र के अधिकारी या मंत्री बातचीत के लिए आगे आते हैं, तो किसान उनके साथ बैठक करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

नाग पंचमी से लेकर श्रावण पूर्णिमा तक होंगे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान

'छड़ी मुबारक' की यात्रा शुरू अमरनाथ में होगी विशेष पूजा

एजेंसी ▶▶| जम्मू

वार्षिक अमरनाथ यात्रा के समापन चरण में अब भगवान शिव की पवित्र छड़ी 'छड़ी मुबारक' की परंपरागत यात्रा प्रमुख आकर्षण बनने जा रही है। भगवान शिव की पवित्र छड़ी 'छड़ी मुबारक' की अनुष्ठानिक यात्रा 12 अगस्त से शुरू हो चुकी है। नाग पंचमी से लेकर श्रावण पूर्णिमा तक चलने वाले विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के बाद 28 अगस्त को पवित्र गुफा में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।धार्मिक मान्यता के अनुसार पवित्र छड़ी को भगवान शिव के प्रतीक स्वरूप विशेष सम्मान के साथ विभिन्न धार्मिक स्थलों तक ले जाया जाता है।

आज दशनामी अखाड़ा में छड़ी पूजन कार्यक्रम

पवित्र छड़ी की अनुष्ठानिक यात्रा के क्रम में 15 अगस्त को श्री अमरेश्वर मंदिर दशनामी अखाड़ा, श्रीनगर में 'छड़ी स्थापना' का आयोजन किया गया। इसके बाद नाग पंचमी के अवसर पर आज 17 अगस्त को दशनामी अखाड़ा परिसर में पारंपरिक छड़ी-पूजन किया जाएगा।

22 अगस्त से शुरू होगी मुख्य तीर्थ यात्रा : तय कार्यक्रम के अनुसार 22 और 23 अगस्त को पहलगाम में रात्रि विश्राम होगा, जबकि 24 अगस्त को यात्रा चंदनवारी पहुंचेगी। इसके बाद 25 अगस्त को शेषनाग में पड़ाव रहेगा। 26 और 27 अगस्त को क्रमशः पंचतरणी में रात्रि विश्राम के बाद छड़ी मुबारक को अंतिम चरण में पवित्र गुफा की ओर ले जाया जाएगा।

श्रावण पूर्णिमा पर पूरी होगी यात्रा

शंकराचार्य मंदिर से शुरू होकर शारिका भवानी मंदिर, दशनामी अखाड़ा, पहलगाम, चंदनवारी, शेषनाग और पंचतरणी से गुजरती हुई यह पवित्र यात्रा 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के दिन अमरनाथ गुफा में पूजा के साथ पूर्ण होगी। इस पूरी यात्रा में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ कठिन हिमालयी भूभाग को पार करने की साधना भी जुड़ी हुई है।

पश्चिम बंगाल के नादिया में डबल मर्डर

कांग्रेस नेता और बेटे को गोलियों से किया छलनी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के नादिया में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जिला उपाध्यक्ष अनीसुर रहमान व उनके बेटे अबू सुफियान रहमान की शनिवार रात बेरहमी से हत्या कर दी गई। नकाशीपाड़ा अंडरपास के पास कार से घर लौट रहे पिता-पुत्र पर हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं और धारदार हथियारों से हमला किया, जिसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। प.बंगाल की नकाशीपाड़ा पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। वहीं, विपक्षी दल के नेताओं ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। प.बंगाल में कांग्रेस के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में अल्पसंख्यकों और विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिशों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी, और इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को पूरे राज्य में काला दिवस मनाया।

टीएमसी नेता के आदेश पर हत्या : कांग्रेस

स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह हमला जेल में बंद तृणमूल कांग्रेस नेता जुब्बार शेख के "आदेश" पर किया गया था। जुब्बार ने जेल से ही बदमाशों का इस्तेमाल करके इस इलाके पर कब्जा करने के लिए यह घटना करवाई। अगर प्रशासन उचित और निष्पक्ष जांच करे, तो यह मामला पूरी तरह साफ हो जाएगा। स्थानीय कांग्रेस नेता टीपू सुल्तान ने मीडिया से कहा, "हम कड़ी से कड़ी सजा की मांग करते हैं।

रहमान को 13 व बेटे को 12 गोलियां मारीं

अस्पताल ने बताया है गोली किसी पेशेवर अपराधी ने मारी थी। अनीसुर रहमान को 13 और उनके बेटे को 12 गोलियां मारी गई। इस मामले में जिस टीएमसी नेता का नाम सामने आ रहा है पुलिस उसके संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। कृष्णानगर पुलिस जिले के अतिरिक्त अधीक्षक (ग्रामीण) सुरजीत कुमार ने कहा कि मामले की विस्तृत जांच चल रही है। अभी इस बारे में और कुछ भी कहना संभव नहीं है।

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

ग्लोबल तनाव और विदेशी निवेशकों पर बाजार की नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरुमध्य की स्थिति, अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के बाद अब निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रमों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भी रहेगी।

- विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह पर बाजार की नजर

कच्चे तेल की दिशा बाजार के महत्वपूर्ण कारक

रिलायंस ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, 'निकट अवधि में होर्मुज जलडमरुमध्य से जुड़े घटनाक्रम और ब्रेंट कच्चे तेल की दिशा बाजार के लिए महत्वपूर्ण कारक होंगे। उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त हो चुका है और आने वाला सप्ताह आंकड़ों के लिहाज से अपेक्षाकृत हल्का रहेगा। ऐसे में निवेशकों का ध्यान वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर रहेगा।' फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे से भी फेडरल रिजर्व के नीतिगत परिदृश्य को लेकर संकेत मिलेगा।

अमेरिका-ईरान तनाव पर रहेगी निवेशकों की नजर

एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर. ने कहा कि इस सप्ताह निवेशकों का ध्यान होर्मुज जलडमरुमध्य और व्यापक अमेरिका-ईरान तनाव पर बना रहेगा। इसके अलावा एफओएमसी की बैठक के ब्योरे और विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह पर भी बाजार की नजर होगी। बजाज ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (शोध) पबित्रो मुखर्जी ने कहा कि निवेशक कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखेंगे।

चीन के आर्थिक आंकड़े होंगे प्रमुख संकेतक

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कच्चा तेल, भू-राजनीतिक घटनाक्रम, एफओएमसी की बैठक का ब्योरा और चीन के आर्थिक आंकड़े इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाले प्रमुख संकेतक होंगे। इनसे वैश्विक आर्थिक वृद्धि और अमेरिकी केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति को लेकर आगे की तस्वीर स्पष्ट हो सकती है। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 489.92 अंक यानी 0.62 प्रतिशत टूटा जबकि एनएसई निफ्टी 204.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत नीचे आया।

शब्द पहेली - 6319

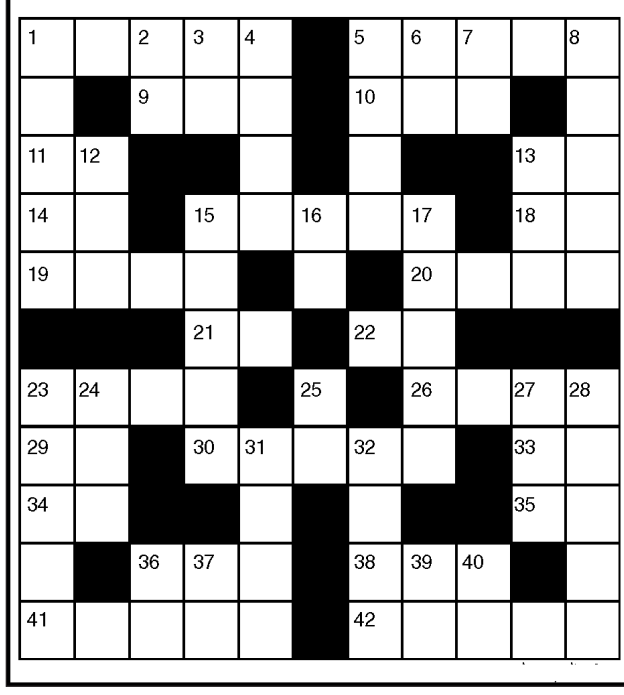

बाएँसेदाए±
1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रेजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -6318 का हल

का	ज	■	आ	ग	■	सा	थ	■	सु	रा
ल	■	ता	ना	■	आ	स	■	ख	ब	र
■	ली	ला	■	सा	या	■	क	ल	ह	■
म	न	■	रा	त	■	र	म	ल	■	वि
स्ती	■	फि	जा	■	अ	ग	ला	■	सा	दा
■	शू	र	■	की	च	ड़	■	ता	र	■
कु	ल	■	अ	म	ल	■	ख	त	■	मी
ली	■	ग	ल	त	■	प	ता	■	जा	न
■	दो	ज	ख	■	क	ल	■	ता	ल	■
धा	य	ल	■	दा	म	■	उ	म	■	मो
त	म	■	प	ग	■	कृ	ष्ण	■	क	र

सूडोकु नवताल - 6329

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6328 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

भारतीय बाजार पर फिदा विदेशी निवेशक,15 दिनों में डाले 16,621 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की खरीदारी का सिलसिला अगस्त में लगातार दूसरी महीने जारी है। अगस्त के पहले पखवाड़े में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 16,621 करोड़ का निवेश किया है। बेहतर मूल्यांकन, कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों और अमेरिका में ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद ने निवेशकों के रुख को सकारात्मक बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

'ट्रैक' के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी वेदांत गुप्ते के मुताबिक, अगस्त में एफपीआई की खरीदारी से संकेत मिलता है कि पहले की बिकवाली मुख्य रूप से वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से प्रेरित थी, न कि भारत को लेकर किसी बड़ी चिंता के कारण। उन्होंने कहा कि अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, कच्चे तेल की नरम कीमतें और रुपए में स्थिरता ने विदेशी निवेशकों के लिए भारत से दूरी बनाए रखने के तीन प्रमुख कारणों को काफी हद तक कम कर दिया है। हालांकि, आने वाले दिनों में विदेशी निवेशकों का रुख वैश्विक संकेतकों पर निर्भर रहेगा। अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल, डॉलर सूचकांक, कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के आमदनी के अनुमान में बदलाव एफपीआई प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं।

दो महीनों की खरीदारी ने चार माह की भारी बिकवाली के रुख को पलटा

जुलाई में 20,200 करोड़ का किया था निवेश

इससे पहले जुलाई में भी एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 20,200 करोड़ का निवेश किया था। इस तरह लगातार दो महीनों की खरीदारी ने चार माह तक चले भारी बिकवाली के रुख को पलट दिया है। इस साल विदेशी निवेशकों ने मार्च में 1.17 लाख करोड़, अप्रैल में 60,847 करोड़, मई में 32,963 करोड़ और जून में 49,340 करोड़ की निकासी की थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने 22,615 करोड़ का निवेश किया था। हालांकि, हालिया खरीदारी के बावजूद एफपीआई 2026 में अब भी भारतीय शेयरों के शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। इस साल अब तक उनकी निकासी करीब 2.4 लाख करोड़ रही है, जो पूरे 2025 में हुई 1.66 लाख करोड़ की निकासी से भी अधिक है।

भारतीय बाजार में बढ़ा विदेशी निवेशकों का भरोसा

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के अपेक्षाकृत आकर्षक मूल्यांकन, कंपनियों के मजबूत नतीजों, अमेरिका में संभावित ब्याज दर कटौती, कच्चे तेल की नरम कीमतों और रुपए में कम उतार-चढ़ाव ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। वल्लम कैपिटल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और पोर्टफोलियो प्रबंधक मनीष भंडारी ने कहा कि भारत के बेहतर मूल्यांकन, मजबूत कॉरपोरेट आय, अमेरिका में नरम ब्याज दरों की उम्मीद और मुद्रा बाजार में स्थिरता विदेशी निवेश को आकर्षित करने वाले प्रमुख कारण हैं।' उन्होंने कहा कि निवेशक दक्षिण कोरिया और ताइवान के अत्यधिक लोकप्रिय एआई शेयरों से कुछ पूंजी भारत की ओर भी मोड़ रहे हैं।

खबर संक्षेप

जिंदल स्टील करेगी 900 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। जिंदल स्टेनलेस अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 900 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने बताया कि इस निवेश से कंपनी की कोल्ड रोलिंग क्षमता मौजूदा के 205 लाख टन सालाना से बढ़कर वित्त वर्ष 2027-28 तक 267 लाख टन हो जाएगी। कोल्ड रोलिंग का आशय इस्पात को कमरे के तापमान के आसपास, बिना गर्म किए, रोलर्स के बीच से दबाकर उसकी मोटाई कम करना और आकार/गुण बदलने से है। कंपनी यह निवेश हिसार और खड़गपुर में करेगी।

ईसीबी से 40 करोड़ डॉलर जुटाएगा इंडियन बैंक

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक कारोबार विस्तार के लिए इस सप्ताह बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के जरिए 40 करोड़ डॉलर जुटाने की तैयारी में है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिनोद कुमार ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती अदला-बदली सुविधा का लाभ उठाते हुए बैंक दिसंबर, 2026 तक अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर भी जुटा सकता है। कुमार ने कहा कि बैंक की योजना ईसीबी के माध्यम से करीब एक अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर-बी) जमा के जरिए लगभग दो अरब डॉलर जुटाने की है।

अंबर एंटरप्राइजेज करेगी ओप्पो वनप्लस, रियलमी का विनिर्माण

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा कंपनी अंबर एंटरप्राइजेज इंडिया मार्च, 2027 की तिमाही से चीन की स्मार्टफोन कंपनियों के ब्रांड ओप्पो, वनप्लस और रियलमी के लिए भारत में मोबाइल फोन का विनिर्माण शुरू करने की तैयारी में है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जसबीर सिंह ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की चौथी तिमाही में परीक्षण उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

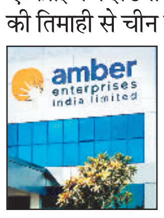

पश्चिम एशिया संकट का असर: 21 कंपनियों को करना पड़ेगा 63,810 टन प्रतिदिन उत्पादन

एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम, तय किया कोटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान आयातित रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद अब सरकार ने घरेलू तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन बढ़ाने के लिए पहली बार अलग-अलग रिफाइनरी इकाइयों और तेल-गैस कंपनियों के लिए अधिकतम उत्पादन लक्ष्य तय किए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के 13 अगस्त के आदेश के तहत 21 रिफाइनरी और अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन का तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन क्षमता निर्धारित की गई है। यह 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के घरेलू एलपीजी उत्पादन का दोगुना से भी अधिक है। साथ ही यह आंकड़ा देश की 70 प्रतिशत दैनिक खपत के बराबर है। ये लक्ष्य आपूर्ति में कमी की स्थिति में लागू होंगे।

- सरकार ने पहली बार तय किए एलपीजी उत्पादन के लक्ष्य, रिफाइनरियों को मिला अल्टीमेटम

2025-26 में 3.32 करोड़ टन एलपीजी की खपत

भारत में वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 3.32 करोड़ टन एलपीजी की खपत हुई, जबकि घरेलू उत्पादन लगभग 1.31 करोड़ टन रहा। करीब 2.13 करोड़ टन एलपीजी का आयात करना पड़ा। यानी देश अपनी एलपीजी जरूरत का 64 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है। सरकार का यह कदम उस संकट की पृष्ठभूमि में आया है, जब पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से एलपीजी का आयात प्रभावित हुआ था। उस दौरान घरेलू एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए रिफाइनरी कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को आपूर्ति सीमित करने तथा घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रिफिल बुकिंग की अवधि बढ़ाने जैसे कदम उठाने पड़े थे।

सरकार करेगी उत्पादन लक्ष्यों की समीक्षा

नए ढांचे में कंपनियों को एलपीजी के भंडारण, निकासी और परिवहन के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा बनाए रखने तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य उपाय करने को कहा गया है। इनमें जरूरत पड़ने पर नैफ्था को एलपीजी में बदलना और फ्लूइड कैटेलिटिक क्रैकिंग इकाइयों को उन्नत करना भी शामिल है। सरकार हर छह महीने में उत्पादन लक्ष्यों की समीक्षा करेगी। नई रिफाइनरी, नए तेल-गैस क्षेत्रों और तकनीकी उन्नयन से पैदा होने वाली अतिरिक्त क्षमता को भी इसमें शामिल किया जा सकेगा। इस तरह सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान उठाए गए अस्थायी कदमों को अब एक स्थायी आपूर्ति-सुरक्षा व्यवस्था का रूप देने की कोशिश की है, ताकि भविष्य में विदेशी एलपीजी आपूर्ति बाधित होने पर घरेलू उपभोक्ताओं को कमी, राशनिंग या रिफिल पर प्रतिबंध जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

रिलायंस इंडस्ट्रीज करेगा 18 हजार टन एलपीजी उत्पादन

नए आदेश के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर स्थित घरेलू बाजार के लिए संचालित रिफाइनरी को सबसे बड़ा लक्ष्य दिया गया है। उसे जरुरत पड़ने पर 18,000 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन करना होगा। वहीं, रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी के लिए 4,480 टन प्रतिदिन का लक्ष्य तय किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की 18 रिफाइनरी इकाइयों को मिलाकर 31,470 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। रिलायंस की जामनगर स्थित केवल निर्यात के लिए संचालित दूसरी रिफाइनरी के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

सरकारी अनुबंधों में डब्ल्यूपीआई की जगह आएगा पीपीआई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों से भविष्य के सरकारी खरीद अनुबंधों में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने को कहा है। व्यय विभाग ने 13 जुलाई के एक कार्यालय ज्ञापन में कहा कि जब पीपीआई उपलब्ध हो जाए, तब भविष्य के अनुबंधों में मूल्य-वृद्धि और दर समायोजन की धाराओं में डब्ल्यूपीआई के स्थान पर पीपीआई को अपनाने के लिए मंत्रालयों और विभागों को प्रोत्साहित किया जाए।

- उत्पादक स्तर पर कीमतों में बदलाव को बेहतर ढंग से दर्शाता है पीपीआई

पीपीआई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य सूचकांक

सरकारी अनुबंधों में मूल्य वृद्धि या दर परिवर्तन की धारा के तहत परियोजना के दौरान सामग्री, श्रम और ईंधन जैसी प्रमुख लागत में बदलाव के अनुसार भुगतान में समायोजन किया जाता है। इससे महंगाई के प्रभाव को सरकार और ठेकेदार के बीच बांटने में मदद मिलती है। सरकार का मानना है कि पीपीआई उत्पादक स्तर पर कीमतों में बदलाव को बेहतर ढंग से दर्शाता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अधिक स्वीकार्य सूचकांक है। भारत में वाणिज्य मंत्रालय ने जून, 2026 से वस्तुओं और सेवाओं के लिए मासिक पीपीआई आंकड़े जारी करना शुरू किया है।

विनिर्मित उत्पादों का सबसे अधिक भारांश

वस्तुओं के पीपीआई में विनिर्मित उत्पादों का सबसे अधिक 69.93 प्रतिशत भारांश है। इसके बाद कृषि, वानिकी और मत्स्य क्षेत्र का 22.16 प्रतिशत, बिजली का 4.49 प्रतिशत तथा खनन एवं संबद्ध क्षेत्र का 3.42 प्रतिशत भारांश है। सेवा क्षेत्र में पहले चरण में सात सेवाओं....बैंकिंग, प्रतिभूति लेनदेन, बीमा, पेंशन कोष प्रबंधन, रेलवे, हवाई यात्री सेवाओं और दूरसंचार को शामिल किया गया है। बाकी सेवाओं को अगले चरण में शामिल किया जाएगा। पीपीआई की शुरुआत को विकसित अर्थव्यवस्थाओं में अपनाई जाने वाली व्यवस्था के अनुरूप माना जा रहा है। यह कदम डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर भारत के संभावित दीर्घकालिक बदलाव का संकेत देता है।

फंड की किल्लत और खाली कुर्सी पर अटकी यूनिटेक खरीदारों की सांसें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संकट में फंसी रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक लिमिटेड के हजारों घर खरीदारों ने अटकी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए धन की कमी पर चिंता जताई है। खरीदारों ने मांग की है कि कंपनी की खाली पड़ी संपत्तियों की नीलामी कर निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। यूनिटेक के पांच घर खरीदार संघों ने सरकार और उच्चतम न्यायालय से कंपनी के नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) की नियुक्ति जल्द करने की भी अपील की है। कंपनी में यह पद करीब एक महीने से खाली है। यूनिटेक के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक युधवीर सिंह मलिक का कार्यकाल 20 जुलाई, 2026 को समाप्त हो गया था। खरीदार संगठनों के मुताबिक, नए सीएमडी की नियुक्ति के लिए कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की ओर से नाम भी प्रस्तावित किया जा चुका है, लेकिन उच्चतम न्यायालय की मंजूरी अभी बाकी है। यूनिटेक पर दिल्ली-एनसीआर समेत देश के विभिन्न हिस्सों में आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं को पूरा करने का दबाव है। कंपनी की परियोजनाओं में करीब 15,000 खरीदार फंसे हुए हैं और कई परियोजनाओं में 15 साल से अधिक की देरी हो चुकी है।

यूनिवर्ल्ड चेन्नई ओनर्स एसोसिएशन ने हस्तक्षेप की मांग

यूनिवर्ल्ड चेन्नई ओनर्स एसोसिएशन ने भी उच्चतम न्यायालय से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। वहीं, एल्डर ग्रोव विला ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने ऋणदाताओं के दावों का दोबारा आकलन करने और उन पर ब्याज भुगतान नहीं करने की मांग की है। यूनिटेक के एंथिया फ्लोर्स के खरीदार संघ ने भारतीय रिजर्व बैंक से 2005 के बाद यूनिटेक को दिए गए कर्ज का विशेष ऑडिट कराने की मांग की है। संघ ने ऋण मंजूरी और निगरानी में हुई संभावित खामियों की पहचान कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग भी की है।

16 साल से घरों का इंतजार कर रहे ग्राहक

गुरुग्राम स्थित एस्पेस प्रीमियर ओनर्स एसोसिएशन ने कहा कि उसके सदस्य 16 साल से अपने घरों का इंतजार कर रहे हैं। संघ की अध्यक्ष विभा बत्रा ने कहा कि 2010-11 में बुक किए गए घरों की आपूर्ति 2013-14 में होनी थी, लेकिन वे अब भी अधूरे हैं। खरीदारों के मुताबिक, परियोजनाओं को पूरा करने में सबसे बड़ी बाधा चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक की नियुक्ति में देरी और निर्माण के लिए पर्याप्त धन की कमी है।

दिल्ली एयरपोर्ट की बढ़ेगी यात्री क्षमता

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डा अगले 10 साल के प्रस्तावित मास्टर प्लान के तहत अपनी सालाना यात्री संभालने की क्षमता मौजूदा के 10.6 करोड़ से बढ़ाकर 12.5 करोड़ करने की योजना बना रहा है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। मास्टर प्लान के तहत विस्तार के हिस्से के रूप में दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) अप्रैल, 2030 तक टर्मिनल-3 (टी3) में एक नया पियर-ई बनाने की भी योजना बना रही है।

एयरटेल के चुनिंदा प्रीपेड पैक बंद!, महंगे प्लान्स की तरफ धकेले जा रहे ग्राहक

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने चुनिंदा प्रीपेड पैक बंद करने का फैसला किया है, जिससे प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) में चार से 12 रुपए तक की वृद्धि हो सकती है। ब्रोकरेज कंपनियों ने यह अनुमान लगाया है। गौरतलब है कि दूरसंचार कंपनी ने प्रीमियम सेवाओं को बढ़ावा देने और मौद्रीकरण को गति देने के लिए लक्षित प्लान बदलावों का सहारा लिया है। कुछ विश्लेषकों ने इन बदलावों को सभी प्लान पर व्यापक या औपचारिक शुल्क वृद्धि के बजाय ग्राहकों को 'अपग्रेड' के लिए प्रेरित करने के रूप में देखा है। भारती एयरटेल ने हाल में चार प्रीपेड प्लान - 299 रुपए, 579 रुपए, 619 रुपए और 649 रुपए को वापस ले लिया, जिससे लोकप्रिय 299 रुपए वाले प्लान के ग्राहकों के पास चुनने के लिए अधिक महंगे विकल्प ही बचे हैं। प्रीपेड पेशकशों में किए गए इस फेरबदल से शुरुआती स्तर के 199 रुपए और 219 रुपए के प्लान पर कोई असर नहीं पड़ा है, लेकिन इसका मतलब है कि लोकप्रिय 299 रुपए वाले प्लान के ग्राहकों को अब 349 रुपए वाले पैक का विकल्प चुनना पड़ सकता है।

5 दिग्गजों को 1 लाख करोड़ का झटका, टीसीएस का मार्केट कैप घटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह गिरावट के रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 5 के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1 लाख करोड़ रुपए की कमी आई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक नुकसान हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 489.92 अंक यानी 0.62 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 204.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

एयरटेल, बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत बढ़ी

दूसरी ओर भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत बढ़ गई। इस कंपनियों के मूल्यांकन में कुल 55,149.45 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई।

NOTICE

MAHADHAN

In order to make the Indian Farmers internationally competitive, Mahadhan Agritech Limited, brings to you the following imported & indigenous 100% Water Soluble Mixture of Fertilisers as per order dated 24.10.2015. issued by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India, New Delhi.

Sr.No.	Particulars / Grade	NPK 14-10-28
1	Moisture percent by weight, maximum	0.5
2	Total Nitrogen percent by weight, minimum	14
3	Total Phosphorous and water soluble phosphorous (as P_2O_5) percent by weight, minimum	10
4	Water Soluble Potassium (as K_2O) percent by weight, minimum	28
5	Total Chloride per cent by weight, maximum	1.5
6	Matter Insoluble in water per cent by weight, maximum	0.5
7	Sodium (as NaCl) per cent by weight, maximum	0.5
8	Lead (as Pb) per cent by weight, maximum	0.003
9	Cadmium (as Cd) per cent by weight, maximum	0.0025
10	Arsenic (as As) per cent by weight, maximum	0.01

Salient Features:
1. 100% Water Soluble.
2. Improves Quality and yield of the produce.
3. Suitable to use through drip irrigation and foliar application.
Packing: Available in 500 gm. 1 Kg, 5 Kg, 10 Kg and 25 Kg Packing.
Supply and sales of above Mahadhan WSF grades will be done after 30-35 days.

Manufactured / Imported & Marketed by -
MAHADHAN AGRITECH LIMITED
Registered Office : Sai Hira, Survey No. 93, Mundhwa Road, Mundhwa, Pune - 411036.
www.mahadhan.co.in

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्र./2479/ न.पा.नि./ लो.नि.शाखा / 2026 बीरगांव,दिनांक 13/08/2026

:: E-Procurement Tender Notice ::
(2nd Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा नगरोत्थान योजनान्तर्गत वार्ड क्रं. 01 उरला क्षेत्र में एकीकृत विकास कार्य (नवीन सड़क एवं नाली कार्य) निविदा राशि रू. 155.75 लाख (कुल 01 कार्य) के लिए System Tender No 197406 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 15.06.2026 amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस.ओ.आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender No 197406, Bid Start Date 14.08.2026, Bid Due date. 31.08.2026, Physical Submission Last Date 03.09.2026, Open Date 03.09.2026) ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Dates एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/प्राप्त कर ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला - रायपुर (छ.ग.)

"Say No To Plastic Bags, Save Earth" "Use e-mail Save Tree"

इंडियनऑयल
IndianOil
CIN – L23201MH1959GOI011388

विपणन विभाग रायपुर मण्डल कार्यालय

संस्थागत व्यवसाय, रायपुर मण्डल कार्यालय
इंडियन ऑइल भवन ,वीआईपी रोड पोस्ट रवीग्राम तेलीबांधा
रायपुर -492006 छत्तीसगढ़

अभिरुचि की अभिव्यक्ति
विज्ञापन संख्या: IOCL/RPDO/BITUMEN/BDA/26-27/01
निर्धारित तिथि: 08.09.2026 15:00 बजे

इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड निम्नलिखित विवरण के अनुसार निर्धारित प्रारूप में अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

कार्य का नाम	दस्तावेज़ डाउनलोड करने की अवधि तथा प्री बिड मीटिंग	संपर्क व्यक्ति
बिटूमेन एवं बिटूमेन के उत्पादों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट (बी.डी.ए.), कुल २ (दो) बी.डी.ए. का चयन प्रति बी.डी.ए. प्रति वर्ष 6000 मीट्रिक टन न्यूनतम विक्रय लक्ष्य के साथ चयन हेतु।	**अभिरुचि की अभिव्यक्ति डाउनलोड करने की अवधि:** 17.08.2026, 15:00 बजे से 08.09.2026, 15:00 बजे तक। **प्री बिड मीटिंग:** सुबह 11:00 बजे, दिनांक: 27.08.2026 रायपुर मण्डल कार्यालय में प्रस्तावित है।	मण्डल संस्थागत व्यापार प्रमुख, रायपुर मण्डल कार्यालय **दूरभाष न:** **0771-4313022/4313025** **ईमेल:** mkt.dibh.rpdo@indianoil.in

आवेदन पत्र डाउनलोड करने के लिए आवेदन पत्र के दिशा-निर्देश आदि के लिए वेब साइट **https://spandan.indianoil.co.in/BPSP/HomePage.jsp** परिशिष्ट / शुद्धिपत्र, यदि कोई होगा तो केवल इस वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

मूल पंजीकृत सेल डीड (विक्रय विलेख) के गुम होने एवं दावों के आमंत्रण हेतु सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल ('प्रस्तावित खरीदार') नीचे दी गई अनुसूची में अधिक विस्तार से वर्णित अचल संपत्तियों को उनके संबंधित मालिकों और टाइटल-होल्डर्स से उन अचल संपत्तियों को खरीदने का प्रस्ताव कर रहे हैं।

उक्त संपत्तियों के मालिकाना हक (टाइटल) की जांच के दौरान, प्रस्तावित खरीदार को सूचित किया गया है कि निम्नलिखित पंजीकृत सेल डीड (विक्रय विलेख) की मूल प्रतियां गुम अथवा कहीं रखकर भूल गई हैं तथा पूरी सावधानीपूर्वक खोजबीन के बावजूद उनका पता नहीं चल पाया है:

1. दिनांक 06 फरवरी 1975 का सेल डीड (विक्रय विलेख)
दिनांक 06 फरवरी 1975 का एक सेल डीड (विक्रय विलेख), जो श्री मुनी, पिता श्री पासी द्वारा श्री गोवर्धन दास उभरानी, पिता श्री गोलाराम उभरानी के पक्ष में निष्पादित किया गया था, जिसके द्वारा श्री गोवर्धन दास उभरानी ने ग्राम तोरवा, तहसील बिलासपुर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ स्थित भूमि, खसरा क्रमांक 1110/3 (पुराना खसरा क्रमांक 1110/5), क्षेत्रफल 0.376 हेक्टेयर, के संबंध में अधिकार, स्वामित्व एवं हित प्राप्त किया था।
उक्त सेल डीड (विक्रय विलेख) सब-रजिस्ट्रार, बिलासपुर के कार्यालय में दस्तावेज क्रमांक 1435, पुस्तक क्रमांक ए-1, खंड क्रमांक 4040, पृष्ठ क्रमांक 24 से 28 पर दिनांक 06 फरवरी 1975 को पंजीकृत किया गया था।

2. दिनांक 19 अप्रैल 1982 का सेल डीड (विक्रय विलेख)
दिनांक 19 अप्रैल 1982 का एक सेल डीड (विक्रय विलेख), जो श्री बोलेराम एवं श्री उदयराम, दोनों श्री बच्चूराम के पुत्र, द्वारा श्रीमती विमला बाई उभरानी, पत्नी श्री नारायण दास उभरानी के पक्ष में निष्पादित किया गया था, जिसके द्वारा श्रीमती विमला बाई उभरानी ने ग्राम तोरवा, तहसील बिलासपुर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ स्थित भूमि, खसरा क्रमांक 1110/6 (पुराना खसरा क्रमांक 1110/4 भाग), क्षेत्रफल 0.251 हेक्टेयर, के संबंध में अधिकार, स्वामित्व एवं हित प्राप्त किया था।
उक्त सेल डीड (विक्रय विलेख), सब-रजिस्ट्रार, बिलासपुर के कार्यालय में दस्तावेज क्रमांक 810, पुस्तक क्रमांक ए-1, खंड क्रमांक 5427, पृष्ठ क्रमांक 55 से 56 पर दिनांक 19 अप्रैल 1982 को पंजीकृत किया गया था।

संबंधित स्वामियों ने यह घोषित किया है कि उपर्युक्त मूल सेल डीड (विक्रय विलेख) को किसी भी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था अथवा अन्य संस्था के पास किसी प्रतिभूति के रूप में या किसी बंधक, प्रभार, ग्रहणाधिकार, भार अथवा तृतीय पक्ष के अधिकार के सृजन हेतु जमा, गिरवी, हस्तांतरित, सौंपा अथवा अन्यथा प्रदान नहीं किया गया है।

कोई भी व्यक्ति, जिसे उपर्युक्त दोनों मूल सेल डीड (विक्रय विलेख) प्राप्त हुए हों, जिनके कब्जे में वे आए हों अथवा जिन्हें उक्त मूल सेल डीड (विक्रय विलेख) के वर्तमान ठिकाने के संबंध में कोई जानकारी हो, उनसे अनुरोध है कि वे तत्काल अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें तथा उक्त दस्तावेजों को अधोहस्ताक्षरी अथवा संबंधित स्वामी को सौंपें। सर्वसाधारण को यह भी सावधान किया जाता है कि उपर्युक्त मूल सेल डीड (विक्रय विलेख) का उपयोग, जमा, गिरवी, पृष्ठांकन, हस्तांतरण अथवा उनके आधार पर किसी प्रकार का लेन-देन न करें तथा उनके आधार पर किसी अधिकार, स्वामित्व, हित, बंधक, प्रभार, ग्रहणाधिकार अथवा भार का सृजन करने का प्रयास न करें।

कोई भी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था, कंपनी, प्राधिकरण अथवा अन्य संस्था, जो अनुसूची में वर्णित किसी भी संपत्ति के संबंध में अथवा उसमें किसी अधिकार, स्वामित्व, हित, हिस्सा, विरासत, बंधक, प्रभार, ग्रहणाधिकार, भार, कुर्की, करार, पट्टा, अनुज्ञप्ति, सुखाधिकार, कब्जा, न्यास, उपहार, लंबित वाद से संबंधित अधिकार अथवा किसी अन्य प्रकार का दावा रखता हो, वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर अपने ऐसे दावे की लिखित सूचना अधोहस्ताक्षरी को दे तथा दावे के समर्थन में सभी दस्तावेजों एवं साक्ष्यों की प्रतियां संलग्न करे।

यदि उपर्युक्त अवधि के भीतर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो प्रस्तावित क्रेता इस आधार पर प्रस्तावित संपत्ति क्रय की कार्यवाही आगे बढ़ाएगा कि ऐसा कोई दावा, आपत्ति, अधिकार अथवा हित विद्यमान नहीं है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाला कोई भी दावा या आपत्ति प्रस्तावित क्रेता अथवा प्रस्तावित लेन-देन के लिए बाध्यकारी या प्रभावी नहीं होगा तथा ऐसा दावा त्यागा हुआ, परित्यक्त अथवा समाप्त माना जाएगा। ऐसी स्थिति में लेन-देन बिना किसी अतिरिक्त सूचना अथवा संबंधित व्यक्ति से आगे किसी संदर्भ के पूर्ण किया जा सकता है तथा ऐसे विलंबित दावा प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति को होने वाली लागत एवं परिणामों का जोखिम स्वयं वहन करना होगा। बिना सहायक दस्तावेजों के प्रस्तुत किए गए किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

कृपया अपने लिफाफे पर [CN-BSP] ज़रूर लिखें।

संपत्तियों की अनुसूची

संपत्ति क्रमांक 1
ग्राम तोरवा, तहसील बिलासपुर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ स्थित खसरा क्रमांक 1110/3 (पुराना खसरा क्रमांक 1110/5), क्षेत्रफल 0.376 हेक्टेयर की समस्त भूमि तथा उससे संबंधित अथवा संलग्न सभी अधिकार, सुखाधिकार, स्वतंत्रताएं, विशेषाधिकार एवं अन्य आनुषंगिक अधिकार।
संपत्ति क्रमांक 2
ग्राम तोरवा, तहसील बिलासपुर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ स्थित खसरा क्रमांक 1110/6 (पुराना खसरा क्रमांक 1110/4 भाग), क्षेत्रफल 0.251 हेक्टेयर की समस्त भूमि तथा उससे संबंधित अथवा संलग्न सभी अधिकार, सुखाधिकार, स्वतंत्रताएं, विशेषाधिकार एवं अन्य आनुषंगिक अधिकार।

दिनांक: 17 अगस्त, 2026

हस्ताक्षर/-
लेक्सनेगोशियम एडवोकेट्स
ध्यानार्थ: श्री सार्थक गोयल, कनिष्ठ सहयोगी
+91 7017 35 9432, sarthak.goel@lexnegotium.com
कार्यालय: 3डी, रो हाउस, सूर्य विहार अपार्टमेंट, कापसहेड़ा बॉर्डर के पास, डुंडाहेड़ा, गुरुग्राम-122016

प्रथम पृष्ठ का शेष

सोमवार को नागपंचमी,...

में सुख-शांति भी आती है। इन शुभ योग के साथ गुरु के उच्च राशि में होने से हंसराज योग भी बन रहा है।

'वंदे मातरम्' पर...

के दौरान सोनिया गांधी की आपत्ति और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से यह पूछना कि इसे क्यों बजाया जा रहा था, कांग्रेस पार्टी की सोच को उजागर करता है।

गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए पूछा, क्या यह वही कांग्रेस है जो देश के स्वतंत्रता संग्राम की विरासत का दावा करती है? वंदे मातरम् के प्रति कांग्रेस का रवैया लोगों को पार्टी की आपातकाल वाली सोच की याद दिलाता है। देश की जनता ने इस सोच को नकार दिया है और आगे भी नकारती रहेगी।'

बंकिम चंद्र के वंशज ने सोनिया को लिखा पत्र-

भाजपा के नेता और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने सोनिया गांधी से मांग की है कि वह स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय में हुई 'वंदे मातरम्' के गायन से जुड़ी कथित घटना को लेकर बिना शर्त माफी मांगें। चटर्जी ने दावा किया कि कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम्' का पूरा संस्करण गाए जाने को लेकर असहजता नजर आई और इसे रोकने के बार-बार प्रयास किए गए। चटर्जी ने गांधी को लिखे पत्र में कहा कि 15 अगस्त को जब देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा था, तब हुई कथित घटना 'न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि एक ऐतिहासिक भूल का शर्मनाक दोहराव भी है। नैहाटी से विधायक चटर्जी ने कहा कि वह एक सामान्य नागरिक, देशभक्त और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज के रूप में यह पत्र लिख रहे हैं। उन्होंने इस घटना को लेकर 'गहरा दुख, खालीपन और आक्रोश' व्यक्त किया।

शाह ने साधा...

का गान हो रहा था। चालू गान में कांग्रेस की नेत्री, सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने की बात कही। हम सब टीवी पर देखते रह गए। 80 साल के बाद बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय का ये अमर गान, जब फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है, वो भी सोनिया गांधी को रास नहीं आता है। उन्होंने कहा, सोनिया जी, '140 करोड़ जनता आपको देख रही है। आपके द्वारा किया गया ये पाप इस देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

कांग्रेस ने आरोपो...

, जवाहरलाल नेहरू, गोविंद बल्लभ पंत और सी. राजगोपालाचारी की मौजूदगी में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई थी। जयराम रमेश ने बताया, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह पर उन्होंने तय किया कि कांग्रेस के सत्रों में 'वंदे मातरम' के शुरुआती पद गाए जाएंगे। टैगोर ने नेहरू और बोस को सलाह दी थी कि 'वंदे मातरम' के शुरुआती कुछ पैराग्राफ ही इस्तेमाल किए जाएं। कांग्रेस महासचिव ने आगे कहा, 'तब से हम हर सत्र में वे पंक्तियां गाते आ रहे हैं, हमारा सेवा दल इसे गाता है, हमारे कार्यकर्ता इसे गाते हैं, इस पर कोई विवाद नहीं है। जयराम रमेश ने जोर देकर कहा, 'आज शनिवार को राष्ट्रगीत का पूरा संस्करण गाया गया था, इस पर विवाद का कोई सवाल ही नहीं उठता।'

बंगाल विस के...

बरामद पूर्व विधायक के एक पत्र की भी जांच कराई जाएगी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा, आशीष बनर्जी के लेटरहेड पैड पर हस्तलिखित 'सुसाइड नोट' की जांच कराई जाएगी। लिखावट की भी जांच कराई जाएगी। तृणमूल के वरिष्ठ नेता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस को शोकाकुल परिवार के साथ खड़े रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि यह भी जांच की जाएगी कि क्या बनर्जी को किसी ने धमकी दी थी। पुलिस ने बताया कि रामपुरहाट के हट्टाला पाड़ा इलाके में बनर्जी के आवास के पास स्थित पार्टी कार्यालय से एक कथित 'सुसाइड नोट' भी बरामद हुआ है। आशीष बनर्जी 74 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटा है। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित कथित 'सुसाइड नोट' में बनर्जी ने कहा है कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने राजनीति में आने पर अफसोस भी जताया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

जांच के बाद होगा खुलासा-

अधिकारियों ने कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि बनर्जी की मौत किन परिस्थितियों में हुई। उन्होंने कहा कि कथित 'सुसाइड नोट' में लिखी बातों और घटना से जुड़ी अन्य परिस्थितियों की जांच की जा रही है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आशीष बनर्जी ने 2001 से 2026 तक राज्य विधानसभा में रामपुरहाट निर्वाचन क्षेत्र का लगातार प्रतिनिधित्व किया था। वह विधानसभा के उपाध्यक्ष रहे और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पूर्व सरकार में स्कूली शिक्षा तथा कृषि समेत विभिन्न विभागों के मंत्री भी रहे।

तालाब में डूब...

कार्यक्रम में उन्होंने भी भाग लिया। 15 अगस्त की शाम करीब 4 बजे मुनेश्वर नाग, उनकी पत्नी घुघरी नाग और जसमती अमरढाह पारा से अपने गांव आमादारा लौट रहे थे। दोनों स्थानों के बीच करीब दो किलोमीटर का जंगली रास्ता है। इसी रास्ते से पैदल जाते समय वे बड़का जोभी स्थित वन विभाग के तालाब के पास पहुंचे। इसी दौरान मुनेश्वर नाग अचानक तालाब में गिर गए। उन्हें पानी में डूबता देख पत्नी घुघरी नाग ने बिना देर किए उन्हें बचाने के लिए तालाब में छलांग लगा दी। लेकिन तालाब का पानी गहरा होने के कारण दोनों ही बाहर निकलने में असफल रहे। पति-पत्नी को डूबता देख जसमती भी उन्हें बचाने के लिए तालाब में उतर गईं। इसी दौरान गांव के अर्जुन नगेसिया की नजर तीनों पर पड़ी। उन्होंने तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव का प्रयास किया। अर्जुन ने जसमती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया लेकिन तब तक मुनेश्वर नाग और घुघरी नाग गहरे पानी में डूब चुके थे। काफी प्रयास के बावजूद दोनों को बचाया नहीं जा सका और उनकी मौत हो गई।

नहीं मिला शव...

शवों को बरामद कर पीएम के लिए भेजा लेकिन शव वाहन नहीं मिलने के कारण प्रक्रिया में देरी हुई। निजी वाहन से देर शाम शव को अस्पताल भेजा गया जिस कारण रविवार को भी दोनों का पीएम नहीं हो पाया। अब सोमवार को पीएम के बाद शवों को परिजन के सुपुर्द करने की बात कही जा रही है।

अब रसोई में...

कंपनियों जैसे इंडेन और बीपीसीएल ने इस हल्के और पारदर्शी स्मार्ट सिलेंडर की शुरुआत सबसे पहले रायपुर शहर से की है। गौरतलब है कि भारत पेट्रोलियम ने हाल ही में "भारतगैस लाइट जिप" नाम से अपना 10 किलो का फाइबर सिलेंडर लॉन्च किया है, जिसमें एक्सप्रेस डिलीवरी की सुविधा दी जा रही है। इंडियन ऑयल का "इंडेन एक्स्ट्रालाइट" भी 10 किलो के वेरिएंट में उपलब्ध है। एचपीसीएल का यह सिलेंडर "एचपी गैस ओजस" नाम से बाजार में उपलब्ध है। तेल कंपनियां 10 किलो के इस कंपोजिट सिलेंडर को घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ छोटे व्यवसायियों के लिए कमर्शियल उपयोग के विकल्प के रूप में भी विस्तार दे रही हैं।

पीएम मोदी बोले-...

के खात्मे का उल्लेख किया और कहा कि चुनौती को कभी भी कमतर नहीं आंकना चाहिए तथा सतर्क रहना होगा क्योंकि 'हथियारी नक्सल' भले ही खत्म हो गए हों, लेकिन 'दिमागी नक्सली' अब भी मौके की तलाश में हैं। अपने 75 मिनट के संबोधन में मोदी ने 'शक्ति की सप्तधारा' का उल्लेख किया और कहा कि विनिर्माण शक्ति, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, गतिशक्ति, रक्षा शक्ति, हरित एवं नीली अर्थव्यवस्था और सॉफ्ट पावर वो शक्तियां हैं जो भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। प्रधानमंत्री ने मजबूत और प्रभावी नागरिक सुरक्षा बुनियादी ढांचा विकसित करने का आह्वान किया तथा भारत को रक्षा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने की पैरवी की। उन्होंने हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी और ड्रोन प्रणालियों जैसी उन्नत क्षमताओं में आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे 2027 की जनगणना में सक्रिय भूमिका निभाएं और अपने परिवारों को स्व-गणना प्रक्रिया के दौरान डिजिटल रूप से 'सटीक जानकारी' भरने में मदद करें।

रोजगार और निवेश...

विश्वास, सबका प्रयास' की भावना से हम विकसित छत्तीसगढ़ के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे।

इस अवसर पर उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा, स्वतंत्रता दिवस मां भारती की वंदना, हमारे गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेने और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करने का पावन अवसर है। मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, डॉ. भीमराव आंबेडकर और वीर सावरकर सहित स्वतंत्रता संग्राम के असंख्य सेनानियों के त्याग और बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अलख जगाने वाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीरनारायण सिंह, वीर गुंडाधूर, गेंद सिंह, धुरवा राव, यादव राव, वेंकट राव, डेबरी धुर और आयतु माहरा सहित जननायकों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया।

बस्तर में शांति के साथ विकास का नया सूर्योदय-

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसिक नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता मिली है। माओवाद से मुक्त बस्तर में आज तिरंगा यात्राओं के माध्यम से स्वतंत्रता का उत्सव मनाया जा रहा है। जो क्षेत्र कभी हिंसा और भय से प्रभावित थे, वहां आज शांति, विश्वास और विकास की नई सुबह हुई है।

ऊर्जा, सड़क, रेल और डिजिटल कनेक्टिविटी को मिल रही नई गति-

मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए उत्पादन, पारेषण और वितरण तीनों क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीति के साथ काम किया जा रहा है। एनर्जी समिट में 3 लाख 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। प्रदेश के 90 हजार से अधिक उपभोक्ता 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' का लाभ ले रहे हैं। 'सीजी वायु योजना' के माध्यम से प्रमुख हवाई अड्डों से हवाई सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

बस्तर में नक्सलवाद...

क्योंकि बस्तर केकोने-कोने में तिरंगा फहराया गया है। बीजापुर जिले के 33, सुकमा के 50, दंतेवाड़ा के 5 और नारायणपुर जिले के 9 गांव में पहली बार ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने तिरंगा फहराया। अबूझमाड़ के 9 गांवों में आजादी के बाद पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। नक्सली हिंसा के साये में लंबे समय से दबे समुदायों के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण था। नारायणपुर जिले के कोरस्कोडो, हाचेकोटी, अदनार, बोटर, कुमनार, दीवालूर, गुंडेकोट, रेकापाल और रस्मेता गांवों के ग्रामीणों ने दशकों से चले आ रहे भय से मुक्त होकर खुले दिल से गर्व और उत्साह के साथ इस आजादी पर्व को मनाया। दंतेवाड़ा जिले के पुरंगेल, लोहागांव, बड़ेपल्ली, बेंगपाल और गुमलनार पंचायत के गिरसापारा में पही बार तिरंगा फहरा। ये दूरस्थ गांव कभी इस क्षेत्र के सबसे अधिक नक्सल प्रभावित इलाकों में से थे, जहां शीर्ष नक्सली नेतृत्व के छिपने के ठिकाने और परिचालन केंद्र हुआ करते थे, भय के माहौल के कारण निवासियों के लिए राष्ट्रीय त्योहार मनाना या तिरंगा फहराना जोखिम भरा था।

ग्रामीणों ने तिरंगे को दी सलामी-

ग्रामीणों ने ध्वज को सलामी दी, उत्सव की भावना साझा की और वर्षों के अलगाव के बाद मुख्यधारा में शामिल होने में सफल रहे। स्थानीय समारोहों में भावना और आशा दोनों झलक रही थीं। कई ग्रामीणों के लिए, यह दिन बेहद व्यक्तिगत था, इस बात की पुष्टि कि शांति लौट आई है और अब विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें जम सकती हैं। यह आयोजन इस बात का स्पष्ट प्रमाण था कि अबूझमाड़ हिंसा से आगे बढ़कर स्थिरता और समावेश की ओर बढ़ रहा है।

दुर्गम पहाड़ी आमामोरा,...

नक्सली दहशत के साये में रहे इस इलाके में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पहली बार शान से राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसी पहाड़ी इलाके में पुलिस ने एक बड़ी मुठभेड़ के दौरान शीर्ष नक्सली लीडर जयराम चलपति सहित एक दर्जन से अधिक इनामी नक्सलियों को ढेर कर क्षेत्र को लाल आतंक के प्रभाव से मुक्त कराया था। क्षेत्र के नक्सल मुक्त होने के बाद गांव में आजादी का असली जश्न देखने को मिला। तीन दशकों के लंबे इंतजार के बाद जब तिरंगा फहराया गया, तो स्थानीय ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी और सुकून साफ झलक रहा था। वर्षों बाद गांव में गूंजे भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों ने न केवल पहाड़ियों को गुंजायमान किया, बल्कि स्थानीय निवासियों के मन में विकास और सुरक्षा की एक नई उम्मीद भी जगाई है। 15 अगस्त 2026 घुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे ताराझर, कुर्वापानी, भालूडिग्गी एव मटाल गांव के लिए सिर्फ एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि इतिहास बदलने वाला दिन बन गया जिस पहाड़ी पर कभी गोलियों की गूंज सुनाई देती थी। उसी पहाड़ी पर पहली बार राष्ट्रगान, देशभक्ति गीत और भारत माता के जयकारों की गूंज सुनाई दी। नक्सलवाद के दौर में इस इलाके में ग्रामीण भय के माहौल में जीवन गुजारते थे। स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर ध्वजारोहण करना भी यहां संभव नहीं था।

जिस पहाड़ी पर चलती थीं गोलियां, वहीं पहली बार फहराया तिरंगा-

इस पहाड़ी में पहले गोलियों की आवाज गूंजती थी नक्सलियों का सबसे सुरक्षित ठिकाना माना जाता था। अब नक्सली मुक्त घोषित होने के बाद उसी पहाड़ी गांव में एक और ऐतिहासिक तस्वीर देखी गई स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुरक्षा बलों के जवान ग्रामीणों के साथ मटाल की पहाड़ी पर पहुंचे। पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया, तिरंगा फहराते ही पूरा पहाड़ी इलाका राष्ट्रगान और भारतमाता के जयकारों से गूंज उठा, सुरक्षा बलों के जवानों और ग्रामीणों ने एक साथ तिरंगे को सलामी दी। देशभक्ति गीतों के बीच ग्रामीणों में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

दशकों बाद फहराया तिरंगा: कैंप कमांडर-

सीआरपीएफ 65 वी बटलियन कुल्हाड़ीघाट कैंप कमांडर सुधीर कुमार ने बताया माटल में आजादी के बाद पहली बार तिरंगा ध्वज फहराया गया है। सीआरपीएफ के जवान और ग्रामीणों ने साथ मिलकर स्वतंत्रता दिवस मनाया। क्षेत्र में शांति सुरक्षा और लोगों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हेलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- हार्डवेयर एवं बोर्ड गोदाम में कार्य हेतु लेबर/ सेल्समैन की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मोदी हार्डवेयर, अग्रवाल मिट्टी तेल गोदाम, अल्ट्राटेक सीमेन्ट गोदाम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, तिफरा, बिलासपुर 7415515151 (41644)

आवश्यकता है- मालखरौदा (जिला सक्ती) में इंग्लिश मीडियम स्कूल में (नर्सरी से 10वीं) पढ़ाने हेतु मैथ्स, साइंस टीचर्स चाहिए। आकर्षक सैलरी+ रहना खाना+ इंक्रीमेंट। अनुभवी को प्राथमिकता। रिज्यूम भेजें सम्पर्क करें- 7297830309 (41639)

आवश्यकता है- मित्तल फर्नीचर शोरूम अमेरी चौक बिलासपुर में सेल्स कार्य के लिए लड़के और काम करने के लिए लेबर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9826663999 (41640)

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग स्टाफ सकरी पेंड्री रोड, बिलासपुर स्थित रियल एस्टेट प्रोजेक्ट हेतु हाउस कीपिंग स्टाफ की आवश्यकता है। कार्य- कार्यालय की साफ सफाई, परिसर की देखभाल तथा स्टाफ/ अतिथियों के लिए चाय कॉफी बनाना शामिल है। अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 95890 00680 (41646)

आवश्यकता है- बॉटलिंग प्लांट गोपालपुर कोरबा (छ.ग.) में सुरक्षा प्रहरी के पद पर कार्य करने हेतु भूतपूर्व सैनिको की आवश्यकता है। वेतन एवं अन्य सुविधाये डीजीआर के नियम अनुसार सम्पर्क करें- मेसर्स समीर चौधरी सिक्यूरिटी एजेन्सी 6269 459861 (41647)

आवश्यकता है- कार चलाने अनुभवी कार ड्राइवर (वेतन 11-12 हजार समय 10-8 बजे) आफिस रिसेप्शनिस्ट लड़की/ युवती (वेतन 9-10 हजार स्कुटी आना चाहिए) पता- JBS infra property हेमू नगर पावर हाउस तोरवा 9300000195 (41643)

आवश्यकता है- मोबाइल शॉप में एसेसरीज सेल्स हेतु सेल्समैन, मोबाइल रिपेयरिंग कार्य हेतु अनुभवी युवक एवं अनुभवी एकाउंटेंट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- बिलासपुर 8718855032 (41642)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000 पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 9893041578, 8085233213, 72238 21623, 7440981254 (41602)

आवश्यकता है- सुपरवाइजर- 3 पोस्ट, सीनियर सेल्स ऑफिसर- 1 पोस्ट, सेल्समैन- 2 पोस्ट की तत्काल आवश्यकता है। सम्पर्क करें- कैलाश इंडस्ट्रीज, सेक्टर-C, इंडस्ट्रीयल एरिया सिरगिट्टी बिलासपुर 7000157773 (41645)

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 18000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000-20000 टेंडर कार्य, मेस सुविधा, आवास फ्री सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 77470 00016 (815)

आवश्यकता है-टेली कॉलिंग, अनुभवी मार्केटिंग, अनुभवी सेल्स एग्जिक्युटिव की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार इंटरव्यू सुबह 11:30 से शाम 5.30, सम्पर्क करें- वरुण सुजुकी राजीव गांधी चौक, रायपुर रोड, बिलासपुर 91747 34567 (41635)

आवश्यकता है-अमेजन कोरियर कम्पनी में पार्सल बांटने हेतु डिलेवरी बॉय की आवश्यकता है आकर्षक वेतन एवं पेट्रोल भत्ता। पार्ट टाइम या फुल टाइम काम करें, अनिवार्य दस्तावेज आधार कार्ड, पैन कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- 8319560558, 8318697213, 98277 61516 (41627)

आवश्यकता है-श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग एवं ऑनलाइन पार्सल स्कैनिंग हेतु युवक/युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समय सुबह 10am से 7pm सम्पर्क करें- साइंस कॉलेज के पास, सरकंडा बिलासपुर 90747 41377 (41637)

आवश्यकता है- सुबह 8बजे से शाम 7बजे तक के लिए साढ़े 5माह की बच्ची की देखभाल हेतु अनुभवी महिला केयर टेकर चाहिए वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- SBI के पास, सरकंडा, बिलासपुर 8982487029 (41641)

आवश्यकता है-Cafe के किचन एवं Cafe में कार्य करने हेतु लड़कियों के अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन 7000 से 12000 प्रति माह तत्काल सम्पर्क करें- ट्विन प्लाजा अग्रसेन चौक बिलासपुर 9306187790 (41629)

आवश्यकता है- पति- पत्नी की जोड़े से आवश्यकता है (जिसमें पति को कार चलाना आता हो एवं पत्नी हॉस्टल वार्डन का कार्य कर सके) वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दयालबंद, बिलासपुर 79745 33781 (41636)

आवश्यकता है-रायपुर में मल्टीस्टोरी फ्लैट बिल्डिंग में टाइल्स कार्य हेतु ठेकेदार की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-राकेश-9329116108 (821)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में डाटा स्पेक कम्प्यूटर में ऑर्डर कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है सम्पर्क करें- छत्तीसगढ़ साइंटिफिक वर्क्स नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार बिलासपुर 9329124924 (41618)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में नाइट ड्यूटी में कार्य करने हेतु ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नं.-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (41612)

आवश्यकता है-टायर एण्ड सर्विस दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी एलाइनमेन्ट टेक्नीशियन, कार वाशिंग हेतु मेहनती लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गुरुकृपा टायर्स एण्ड सर्विसेज गाँधी चौक बिलासपुर 98271 68468 (41630)

आवश्यकता है-कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कार्य- कुत्तों को खाना देना, देखभाल, मल मूत्र सफाई करना। मासिक वेतन- 10000, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ सम्पर्क करें- 7225888800 (003)

आवश्यकता है-रायपुर चन्दखुरी पशु अस्पताल में 15-20 कर्मचारीयों के लिए नाश्ता और दो टाईम खाना बनाना हेतु पुरुष कुक की आवश्यकता हैं। अच्छा वेतन, रहने खाने की सुविधा हैं सम्पर्क करें- 72258 88800 (004)

सर्विसेज

सर्विसेज- निःशुल्क टेलरिंग (दर्जी) प्रशिक्षण एवं रोजगार का सुनहरा अवसर Puniform Taxmart द्वारा पुरुष एवं महिलाओं को निःशुल्क टेलरिंग (दर्जी) का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क पुरुष एवं महिला दोनों आवेदन कर सकते हैं, 15 दिन से 3माह के प्रशिक्षण के बाद हमारी कम्पनी में रोजगार का अवसर इच्छुक अभ्यर्थी प्रशिक्षण के साथसाथ अपने हुनर को रोजगार में बदल सकते हैं। प्रशिक्षण स्थल- Puniform Taxmart, R-3, Mahamaya Vihar, Warehouse Road, Bilaspur इच्छुक अभ्यर्थी तुरन्त सम्पर्क करें- 7000308270, 94063 51752 (41638)

बेचना है

बेचना है-2BHK फ्लैट तृतीय फ्लोर, 27 लाख लिफ्ट पार्किंग हेमू नगर, साई मंदिर के पास पाम अपार्टमेंट में डामर मेन रोड से 300मी. सम्पर्क- JBS Infr- homes construction हेमूनगर मुर्राभट्ठा तोरवा 93000 00195 (41538)

बेचना है- सिद्ध शिखर अपार्टमेन्ट, गौरव पथ, मंगला चौक पर तृतीय तल पर 2BHK मकान अतिशीघ्र विक्रय करना है। (एजेन्ट कृपया क्षमा करें) सम्पर्क करें- 9039591990 (41633)

बेचना है-2BHK फ्लैट चतुर्थ फ्लोर पर फालसिलिंग सहित 25 लाख में उसलापुर ओवरब्रिज से पहले शुभम विहार डामर मेन रोड से 200मी. बटरफ़्लाई अपार्टमेंट में सम्पर्क-JBS infrahomes construction हेमूनगर मुर्राभट्ठा तोरवा 9300000195 (41539)

बेचना है-शांति नगर रिंग रोड नं-2 गौरव पथ बिलासपुर में स्थित लगभग 4200 वर्गफुट प्लॉट अति शीघ्र बेचना है। इच्छुक खरीददार सम्पर्क करें- 9329111632 (41609)

बेचना है-(1) चिल्हाटी मोपका 36 एवं 50 डिसमिल 30फिट चौड़ी रोड प्रीकास्ट बाउंड्री सहित (2) भारतीय नगर माधौ तालाब पास 1100 वर्गफीट (3) भारतीय नगर अयप्पा मन्दिर के पास प्लांट 1400 वर्गफीट (4) कड़ार नेशनल हाईवे से लगा प्लाट 70 डिसमिल 300 फीट फ्रंट (5) पेंड्रीडीह बोड़सरा में 19 डिसमिल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9479169997 (41560)

बेचना है-सकरी से 2nd बटालियन से अमसेना होते हुए हाई कोर्ट के बगल निकलती है उस रोड में बटालियन चौक में 185×300 फिट का प्लॉट अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 8878820110 (41631)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

सिनसिनाटी ओपन : पहले ही दौर में बाहर हुए जोकोविच

एजेंसी ▶▶| मेसन

विंबलडन के सेमीफाइनल में हारने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रहे नोवाक जोकोविच सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए।

अर्जेंटीना के 25 वर्ष की खिलाड़ी थियागो अगस्टिन तिरांते ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। यह मैच गर्म और उमस भरे मौसम में दो घंटे 44 मिनट तक चला। तिरांते विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर हैं। तीन बार सिनसिनाटी चैंपियन रह चुके और रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज 39 वर्षीय जोकोविच विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हार गए थे। जोकोविच को अब अमेरिकी ओपन में खेलना है, जो 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होगा।

अर्जेंटीना के अगस्टिन तिरांते ने जोकोविच को हराया

एलेक्जेंड्रा का शानदार प्रदर्शन, गैब्रिएला रूसे को हराया

महिला वर्ग में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने एलेना-गैब्रिएला रूसे को हरा कर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। रूसे ने पहला सेट गंवाया लेकिन टखने की चोट के कारण वह आगे खेल जारी नहीं रख पाई। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज एला ने इसी महीने की शुरुआत में वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीता था और उन्होंने अपने पिछले 9 मैचों में से आठ जीते हैं। अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने सिमोना वाल्टरट को 6-3, 6-2 से हराकर 2026 में हार्ड कोर्ट पर अपना रिकॉर्ड 25-6 कर लिया। तीसरे नंबर की खिलाड़ी पेगुला ने 2024 में सिनसिनाटी में खिताब जीता था।

पहले राउंड में हारीं वीनस, लगातार 13वां मैच गंवाया

ओहायो। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स का एकल में हारने का सिलसिला जारी है। सिनसिनाटी ओपन के पहले राउंड में वीनस को कोलंबियाई क्वालीफायर एमिलियाना अरांगो से 6-2, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। 46 साल की अमेरिकी खिलाड़ी को डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री दी गई थी, लेकिन वह अभी भी एकल मैच न जीतने का अपना सिलसिला खत्म नहीं कर पाईं। उनका हार का सिलसिला जुलाई 2025 से जारी है। 25 साल की क्वालीफायर अरांगो ने लिंडनर टेनिस सेंटर के ग्रैंडस्टैंड कोर्ट पर विलियम्स को एक घंटे और पांच मिनट में हरा दिया। विलियम्स की शुरुआत मुश्किल तरीके से हुई क्योंकि पहले गेम में उनकी सर्व टूट गई थी, और उन्हें एक ऐसे खिलाड़ी के खिलाफ मैच में वापस आने में परेशानी हुई जो लगातार दबाव बना रहा था।

खबर संक्षेप

पाक महिला टीम का मुख्य कोच बने रहेंगे रियाज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने यूएई में होने वाले आगामी एशिया कप और जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रीय महिला टीम के मुख्य कोच वहाब रियाज और सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों को बरकरार रखा है। पाकिस्तान ने सीनियर बल्लेबाज आलिया रियाज को एशियाई खेलों के लिए टीम में शामिल किया है लेकिन सिदरा अमीन और सदाफ शम्स को फिर से नजरअंदाज कर दिया है। नियमित कप्तान फातिमा सना दोनों टूर्नामेंटों में टीम की कप्तानी करेंगी। एशिया कप 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें पाकिस्तान को हांगकांग-चीन, भारत और थाईलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

फॉर्मूला ई भारत में वापसी के लिए उत्सुक

लंदन। फॉर्मूला ई के सह-संस्थापक अल्बर्टो लोंगो ने कहा कि यह चैंपियनशिप भारत में वापसी करने के लिए उत्सुक है, लेकिन भारत के किसी शहर को मेजबानी की इच्छाशक्ति दिखानी होगी। ऑल-इलेक्ट्रिक विश्व चैंपियनशिप ने फरवरी 2023 में हैदराबाद ई-प्री के साथ भारत में अपनी शुरुआत की थी, लेकिन तेलंगाना में सरकार बदलने के बाद अगले वर्ष इस रेस को रद्द कर दिया गया, क्योंकि नई सरकार ने इसमें किसी तरह की दिलचस्पी नहीं दिखाई। लोंगो ने कहा कि फॉर्मूला ई अब भी उस बाजार में वापसी करने के लिए तैयार है, जिसे वह 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी' के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक मानते हैं। लोंगो ने कहा, 'हम भारत वापस जाना चाहेंगे लेकिन दुर्भाग्य से अभी इसको लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं चल रही है। फॉर्मूला ई के लिए यह इतना महत्वपूर्ण बाजार है कि हम निश्चित रूप से वहां वापस जाना चाहेंगे।' उन्होंने कहा, ' फॉर्मूला ई प्रतियोगिता की मेजबानी करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए।

पहला टेस्ट : भारत ने 9 विकेट पर बनाए 460 रन, पडिक्कल ने बनाए 167

पडिक्कल के शतक के दम पर टीम इंडिया ने खड़ा किया विशाल स्कोर

जुरेल ने खेली अर्धशतकीय पारी

एजेंसी ▶▶| गॉल

देवदत्त पडिक्कल की 167 रन की शानदार पारी भारत के बूते भारत ने दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के बारिश से प्रभावित दूसरे दिन रविवार को श्रीलंका के खिलाफ दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट पर 460 रन बना लिए। रविवार को सिर्फ 43 ओवर का खेल संभव हुआ और इस दौरान श्रीलंका के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया स्टंप्स के समय कुलदीप यादव 12 और प्रसिद्ध कृष्णा एक रन बनाकर क्रीज पर थे।

पडिक्कल ने पूरा किया अपना पहला 150 रन

131 रन से आगे खेलने उतरे पडिक्कल ने तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो की गेंद पर चौका लगाकर 215 गेंदों में अपना पहला 150 रन पूरा किया। उनकी इस उपलब्धि पर पहुंचने से पहले ही भारत को ऋषभ पंत के रूप में बड़ा झटका लग चुका था। दिन की शुरुआत 27 रन करने वाले पंत को आक्रामक तेवर अपनाने का खामियाजा भुगतना पड़ा। ऑफ स्पिनर केशरा नुवंता की गेंद पर उनका हवा में लहराया गया कमजोर शॉट मिडऑफ की दिशा में सोनल दिनुषा के हाथों में थमा गया। इसके बाद केएल राहुल बल्लेबाजी के लिए आए। पिछले दिन ऐंठन के कारण 77 रन पर रिटायर हर्ट हुए राहुल अपने स्कोर में सिर्फ पांच रन जोड़ सके। नुवंता की गेंद के टर्न और उछाल को वह समझ नहीं पाए और शॉर्ट लेग पर निशान मधुशंका को आसान कैच दे बैठे। महज 12 रन देकर दो बड़े विकेट हासिल करने से श्रीलंकाई गेंदबाजों का आत्मविश्वास बढ़ा। भारत चाय तक पांच विकेट पर 364 रन बना चुका था। इसके बाद रविंद्र जडेजा को नुवंता (13) ने पगबाधा किया।

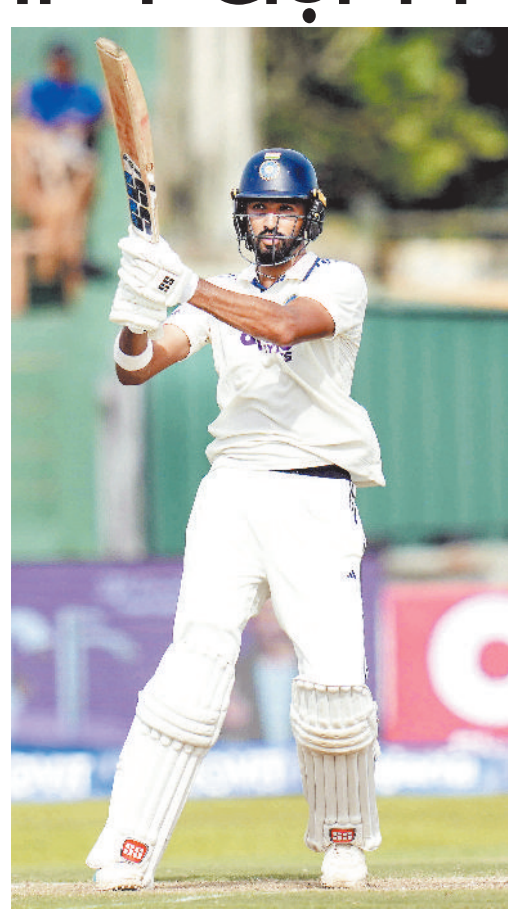

जुरेल ने खेली 51 रन की उपयोगी पारी

पिछले कुछ मैचों से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे जुरेल ने शानदार वापसी करते हुए 51 रन की उपयोगी पारी खेली। उनकी पारी में किस्मत का भी साथ रहा। 29 रन के निजी स्कोर पर स्लिप में श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डि सिल्वा ने जयसूर्या की गेंद पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जुरेल ने इस जीवनदान का फायदा उठाते हुए आठ पारियों के बाद पहली बार अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने नुवंता की गेंद को मिडविकेट के ऊपर से छक्का जड़ा और लाहिरू कुमारा की गेंद पर चौका भी लगाया।

जुरेल ने सुथार के साथ जोड़े 55 रन

जुरेल ने मानव सुथार (24) के साथ सातवें विकेट के लिए 55 रन जोड़े। जयसूर्या की गेंद पर धनंजय डि सिल्वा ने जुरेल का शानदार कैच लपक कर अपनी पिछली गलती की भरपाई कर दी। सुथार ने इसके बाद मोहम्मद सिराज (11) के साथ टीम के स्कोर को 447 रन तक पहुंचाया लेकिन इसी स्कोर पर दोनों बल्लेबाज आउट हो गए।

भारतीय महिला टीम का दमदार आगाज चीन को जीत से रोका

एजेंसी ▶▶| एम्सटेलवीन

महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में महिला टीम इंडिया ने चीन के सामने दमदार प्रदर्शन किया। भारत ने चीन के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला, जिसके चलते भारतीय महिला टीम वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार चीन को किसी मैच में हराने से चूक गई। लेकिन चीन के दबदबे को देखा जाए तो भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह ड्रॉ किसी जीत से कम नहीं है. क्योंकि चीन वर्ल्ड नंबर चार की टीम है और उसे जीत से दूर रखकर महिला टीम इंडिया ने शानदार काम किया है। मगर भारतीय टीम साल 1998 से चली आ रही राइवलरी में 28 साल बाद भी हॉकी के खेल में चीन से जीत दर्ज नहीं कर सकी है। वहीं, महिला टीम ने शानदार डिफेंस का नजारा पेश किया और चार पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने वाली चीन सिर्फ एक में ही गोल कर सकी। मजबूत डिफेंस से टीम इंडिया ने चीन को जीत से दूर रखा।

पहले क्वार्टर में हुए दो गोल

चीन के खिलाफ मैदान में उतरी भारतीय महिला हॉकी टीम शानदार फॉर्म में नजर आ रही थी। मैच की शुरुआत में ही भारत की नवनीत कौर ने हॉकी स्टिक से जादू बिखेर दिया। मैच के पांचवें मिनट में जब भारत पहले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर सका, तो इसके बाद आठवें मिनट में नवनीत ने चीन के डिफेंस को चकमा देते हुए बेहतरीन फील्ड गोल दाग दिया। इससे महिला टीम इंडिया पहले क्वार्टर में ही 1-0 से आगे हो गई थी।

आज से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप, सिंधू पर नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू सोमवार से शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में घरेलू दर्शकों के सामने अपने नए आत्मविश्वास के साथ इतिहास रचने की कोशिश करेंगी।

भारत 17 साल बाद इस चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है सिंधू सहित भारतीय खिलाड़ी इसका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। सिंधू अब तक विश्व चैंपियनशिप में पांच बार पदक जीत चुकी हैं और वह रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने इससे पहले विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप: ब्रिटिश रिले टीमों का दबदबा, एमी हंट ने जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

ब्रिटेन की एमी हंट ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए महिला रिले दौड़ में अपनी टीम को पहला स्थान दिलाकर यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक जीता। ब्रिटेन ने पुरुषों और महिलाओं दोनों की चार गुणा 100 मीटर रिले जीतकर फर्राटा दौड़ में अपना दबदबा बरकरार रखा।

हंट ने इससे पहले 100 और 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीते थे। ब्रिटेन की महिला टीम ने उनकी अगुवाई में चार गुणा 100 मीटर की दौड़ 42.05 सेकंड में पूरी की। ब्रिटेन ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 38.45 सेकंड में पूरी करके स्वर्ण पदक जीता।

माहुचिख ने लगातार तीसरी बार जीता ऊंची कूद का खिताब

इस बीच यूक्रेन की ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक यारोस्लावा माहुचिख ने 1.97 मीटर की छलांग लगाकर यूरोपीय चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार ऊंची कूद का खिताब जीता। यूक्रेन के लिए यह मौजूदा चैंपियनशिप का पहला स्वर्ण पदक है। आयरलैंड की केट ओकॉनर ने महिला हेप्टाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता। स्पेन की मारिया पेरेज ने हाफ मैराथन में एक घंटे 30 मिनट छह सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

आयुष-अभ्युदय ने जीता जेडब्ल्यू विल्सन घाना इंटरनेशनल का खिताब

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आयुष माखीजा ने एक बार फिर से प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है। जेडब्लू विल्सन घाना इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 के पुरुष युगल वर्ग में भारतीय जोड़ी आयुष माखीजा और अभ्युदय चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

- पुरुष युगल में भारतीय जोड़ी बनी चैंपियन
- फाइनल में नाइजीरिया के एबेल और इडोवु की जोड़ी को सीधे दो गेमों में हराया

फाइनल में दमदार प्रदर्शन के बाद दोनों खिलाड़ियों को विजेता घोषित किया गया। 16 अगस्त को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने अपने खेल से प्रभावित किया और पूरे टूर्नामेंट में शानदार तालमेल और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। जीत के बाद दोनों खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक हासिल किया। फाइनल में तीसरी वरीय भारतीय जोड़ी ने नाइजीरिया के जोसेफ एबेल और सेगुन ओबासांजो इडोवु की चौथी वरीय जोड़ी को सीधे दो गेम में 21-16, 21-14 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से बनाया दबाव

फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। दोनों खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल और आक्रामक खेल के सामने नाइजीरियाई जोड़ी को लगातार संघर्ष करना पड़ा। पहले गेम में अभ्युदय और आयुष ने 21-16 से बढ़त बनाई। दूसरे गेम में भी भारतीय खिलाड़ियों ने लय कायम रखते हुए 21-14 से गेम अपने नाम किया और मुकाबला जीत लिया।

अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि की हासिल

आयुष माखीजा और अभ्युदय चौधरी की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय बैडमिंटन की नई प्रतिभाएं लगातार अपनी पहचान बना रही हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पुरुष युगल में बेहतरीन समन्वय, आक्रामक खेल और दबाव के बीच धैर्य का परिचय देते हुए खिताब तक का सफर तय किया। इस उपलब्धि से भारत के साथ छत्तीसगढ़ का नाम भी गौरवान्वित हुआ है। जीत के बाद जारी बधाई संदेश में दोनों खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और खेल के प्रति जुनून की सराहना की गई। विल्सन घाना इंटरनेशनल में पुरुष युगल का खिताब जीतना आयुष माखीजा और अभ्युदय चौधरी के लिए महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि मानी जा रही है। इस जीत से दोनों खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और आने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

हॉकी वर्ल्ड कप: इंग्लैंड से आज कांटे की टक्कर, आखिरी बार तीन दशक पहले हराया था

30 साल का इतिहास बदलने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| एम्सटेलवीन

निचली रैंकिंग वाली वेल्स के खिलाफ पहले मैच में जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के सामने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में सोमवार को विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड के रूप में पूल चरण की सबसे कठिन चुनौती होगी, जिसे विश्व कप में आखिरी बार उसने तीन दशक पहले हराया था।

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने शनिवार को पहले मैच में विश्व रैंकिंग में अपने से छह पायदान नीचे 15वें स्थान पर काबिज वेल्स को 3 -1 से मात दी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए जबकि संजय ने भी पहला गोल पेनल्टी कॉर्नर पर दागा।nदूसरी ओर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पूल डी के एक अन्य मैच में 4-1 से मात दी।

हम मैच दर मैच फोकस करेंगे : हरमनप्रीत

प्रो लीग के खराब प्रदर्शन के बारे में पूछने पर कप्तान हरमनप्रीत ने कहा,' खेल में उतार-चढाव आते रहते हैं लेकिन हमारा फोकस अभी विश्व कप पर है। हम बेहतर तैयारी के साथ आये हैं और टीम फॉर्म में है। हम मैच दर मैच फोकस करेंगे और गोल करने के ज्यादा से ज्यादा मौके बनाने पर फोकस होगा।' टूर्नामेंट शुरू होने से पहले मानसिक दृढता के लिए स्विटजरलैंड में तीन दिन के बूट कैम्प के अनुभव का इस्तेमाल भारत को इस मैच में करना पड़ेगा।

सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मैच अहम

विश्व कप के बदले प्रारुप में हर मैच का परिणाम काफी मायने रखेगा और भारत से इससे अधिक अंतर से जीत की उम्मीद थी। पहले हर पूल की शीर्ष दो-दो टीमें क्वार्टर फाइनल खेलती थी लेकिन इस बार हर पूल से शीर्ष दो टीमें दूसरे दौर का पूल चरण खेलेंगी, जिसमें 8 टीमें होंगी।

इस चरण में दो पूल ई और एफ होंगे, जिसमें चार-चार टीमें रहेंगी लेकिन वे तीन नहीं बल्कि दो-दो मैच खेलेंगी। यानी अगर भारत और इंग्लैंड दोनों अगले दौर में जाते हैं तो उनका एक दूसरे से सामना नहीं होगा और पहले पूल चरण के अंक ही आगे जाएंगे और भारत की सेमीफाइनल संभावनाओं के लिए यह मैच अहम है। पूल ई और एफ की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी।

स्वास्थ्य

डब्ल्यूएचओ की एजेंसी ने दी बड़ी चेतावनी

भारत में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाली इन 3 दवाओं से कैंसर का खतरा

जेनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एजेंसी ने तीन आम दवाओं को इंसानों के लिए कैंसरकारी ग्रुप-1 श्रेणी में रखा है। इसका मतलब है कि इन दवाओं के इस्तेमाल से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। हाई ब्लड प्रेशन, फंगल इंफेक्शन और ऑर्गन ट्रांसप्लांट रिजेक्शन के इलाज में इस्तेमाल होने वाली इन दवाओं का दुनिया में लाखों लोग इस्तेमाल करते हैं। एक्सपर्ट्स ने जोर देकर कहा है कि यह क्लासिफिकेशन सिर्फ खतरे की पहचान है और मरीजों को बिना डॉक्टर की सलाह के इलाज बंद नहीं करना चाहिए।

इन तीन दवाओं को बताया कैंसरकारी

हाइड्रोक्लोथियाजाइड- हाई ब्लड प्रेशर के लिए इलाज में इस्तेमाल होती है।

वोरिकोनाजोल- फंगल इन्फेक्शन के लिए इस्तेमाल

टैक्रोलिमस- यह दवा अंग प्रत्यारोपण के बाद बाद शरीर के ट्रांसप्लांट रिजेक्शन को रोकने के लिए दी जाती है।

हाइड्रोक्लोरोथियाजाइड

विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर की स्टडी में इन दवाओं से खतरे की पहचान की गई है। 22 सदस्यों वाले पैनल में भारतीय वैज्ञानिक जीबी जेना भी शामिल थे। का कहना है कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि हाइड्रोक्लोरोथियाजाइड से स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और होठ का कैंसर हो सकता है। स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा त्वचा के कैंसर का दूसरा सबसे आम प्रकार है। अमेरिका और डेनमार्क में हुई स्टडी में पाया गया कि लंबे समय तक हाइड्रोक्लोरोथियाजाइड का इस्तेमाल करने वाले मरीजों में स्किन कैंसर की दर ज्यादा मिली। इसकी वजह फोटो-टॉक्सिसिटी है। इसका मतलब है कि यह दवा अल्ट्रावायलेट (यूवी) रेडिएशन के प्रति त्वचा की सेंसिटिविटी बढ़ा देती है। इससे धूप के संपर्क में आने पर डीएनए को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है।

भारत में इन दवाओं का कितना इस्तेमाल?

हाइड्रोक्लोरोथियाजाइड हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के इलाज के लिए भारत में पहली पसंद है। वहीं, वोरिकोनाजोल का इस्तेमाल कमजूर इम्यून सिस्टम वाले मरीजों में आमतौर पर किया जाता है। ट्रैक्रोलिमस ट्रांसप्लांट के बाद की देखभाल में प्रमुख रूप से दी जाती है। एक्सपर्ट का कहना है कि भारत के लिहाज से इन दवाओं का वर्गीकरण बेहद अहम है। इन चेतावनियों को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। खासतौर पर भारत जैसे देश में, जहां बिना सोचे-समझे दवा लिखना, बिना डॉक्टर की पर्ची के दवा मिलना और दवा लिखने व देने के तरीकों का पालन न करना बड़ी चुनौती है।

वोरिको-नाजोल

लंबे समय तक इलाज कराने वाले ट्रांसप्लांट के मरीजों में वोरिकोनाजोल का संबंध भी स्क्वैमस सेल स्किन से पाया गया। इसकी वजह भी फोटो टॉक्सिक तंत्र था। यह दवा विशेष प्रकार के त्वचा कैंसर को बढ़ावा देती है।

टैक्रोलिमस

टैक्रोलिमस का संबंध नॉन-हॉजकिन लिंफोमा और पोस्ट-ट्रांसप्लांट लिम्फोप्रोलिरेट डिसऑर्डर से जोड़ा गया। ल्यूकेमिया और स्किन कार्सिनोमा के मामले में इसके सबूत सीमित थे। इसका खतरा इम्यून सिस्टम को दबाने से जुड़ा है, जिससे शरीर की असामान्य सेल्स को खत्म करने की क्षमता कमजोर हो जाती है।

समुद्र के नीचे मिला रोमन काल का जहाज 2000 साल पुराने इतिहास का पता चला

रोम। इटली के तट के पास पुरात्वविदों ने 2000 साल से भी पुराने एक जहाज की खोज की है। इसे हाल के वर्षों की सबसे अहम पुरातात्विक खोजों में से एक कहा जा रहा है। इस जहाज को सिसिली के तट पास समुद्र के नीचे खोजा गया है। इटली के स्थानीय मीडिया ने बताया कि गोताखोरों को माजारा डेल वैलो के पास समुद्र की सतह से लगभग 150 फीट नीचे यह मलबा मिला। खोजकर्ताओं को जहाज के अंदर ऐसी चीजें मिली हैं, जो आज भी अच्छी हालत में हैं। इंडिपेंडेंट ने अपनी रिपोर्ट में एक गोताखोर के हवाले से बताया कि जहाज के अंदर सैकड़ों अच्छी हालत में मिट्टी के जार भरे हुए थे। इनका इस्तेमाल वाइन, तेल और अनाज ले जाने के लिए किया जाता था। फ्री डाइवर जियाकोमो डी मोला ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसे अपनी जिंदगी की सबसे अद्भुत खोज बताया है। इस बार हमें सिर्फ एक मलबा नहीं मिला, बल्कि अपने इतिहास का एक हिस्सा मिला है।

इंसानों-जानवरों को चकमा देने वाला पौधा मिटने की कगार पर

विंडहोक। क्या आपने कभी किसी ऐसे पौधे के बारे में सुना है जो अपनी जान बचाने के लिए पत्थर बनने का नाटक करता है? नामीबिया के सूखे पत्थरों के बीच छिपा लिथॉप्स वर्नेरी एक ऐसा ही जादूगर है। अफ्रीकी देश नामीबिया में पाया जाने वाला यह दुर्लभ पौधा अब

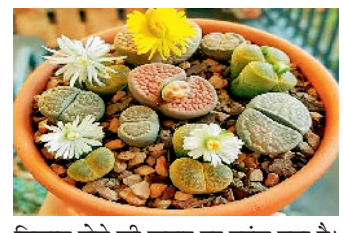

विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस पौधे की दुनिया में अब 200 से भी कम संख्या बची है। इस पौधे का वैज्ञानिक नाम लिथोप्स वर्नेरी है। इसे लिविंग स्टोन या जीवित पत्थर भी कहते हैं, क्योंकि इसका आकार और रंग आसपास पड़े कंकड़ों-पत्थरों से इतना मिलता-जुलता है कि इसमें और पत्थर में फर्क करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है।

80% से ज्यादा घट गई आबादी

वैज्ञानिकों के अनुसार, साल 1981 के बाद से इस पौधे की संख्या 80 प्रतिशत से भी ज्यादा कम हो चुकी है। साल 2012 में यहां 659 पौधे दर्ज किए गए थे। 2019 में इनकी संख्या कम होकर सिर्फ 118 रह गई, वहीं 2020 की गणना में 163 पौधे मिले। हालांकि, संख्या में थोड़ा सुधार दिखा, लेकिन कुल आबादी अब भी बहुत कम है।

सिर्फ एक जगह मिलता है यह पौधा

अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ के मुताबिक, यह पौधा पूरी दुनिया में सिर्फ नामीबिया के एरोंगो पर्वतीय क्षेत्र के करीब 4 वर्ग किलोमीटर के छोटे से इलाके में ही पाया जाता है। इसकी कोई दूसरी प्राकृतिक आबादी दुनिया में कहीं और नहीं मिलती है।

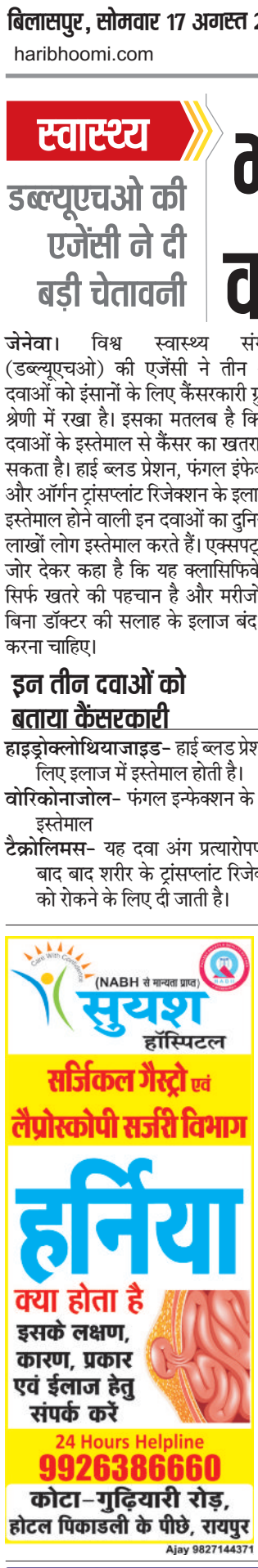

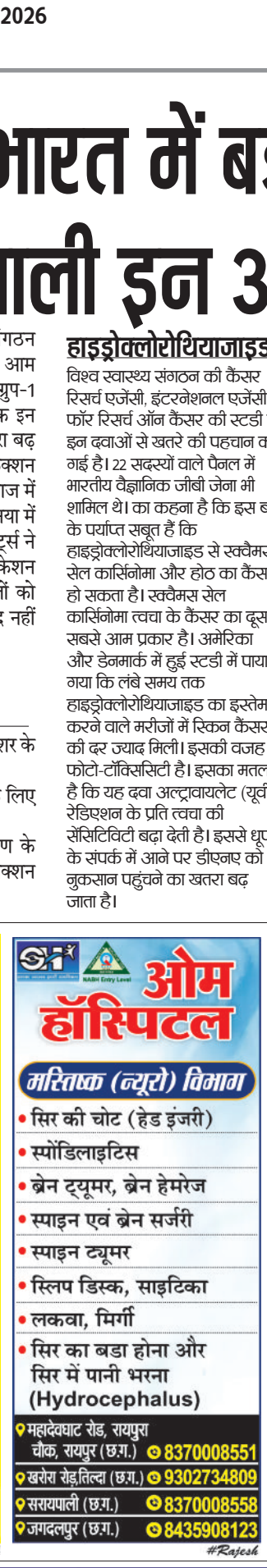

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com